जागृति

शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र

अर्धवार्षिक सूचनापत्र खंड 2, अंक 2 (जुलाई – दिसंबर 2023)

JAGRITI

SHIVANI CENTRE FOR NURTURE AND REINTEGRATION OF HINDI AND OTHER INDIAN LANGUAGES

Half yearly Newsletter Volume 2, Issue 2 (July-December 2023)

विषयसूची

आयोजन

अक्षर- एक साहित्यिक महोत्सव
हिंदी पखवाड़ा
गाथा महोत्सव

प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और परिचर्चाएँ

बानगी, एक परिचर्चा
हिन्दी साहित्य में रचनाओं का सृजन
चित्र गैलरी प्रतियोगिता
कहानी वाचन प्रतियोगिता (मुंशी प्रेमचंद की स्मृति में)

गतिविधियाँ

पी जी उन्मुखीकरण
मेरी बात ई-पत्रिका का विमोचन
एन एस एस स्वयं सेवकों द्वारा शैक्षणिक सामग्री
शिवानी मेमोरियल हॉल का उद्घाटन

आगामी आयोजन

हिंदी व्याकरण संबंधित वीडिओ

प्रोफेसर समीर खांडेकर को भावभीनी श्रद्धांजलि

कर्मचारी सदस्य और संपर्क

Table of contents

Events

Akshar- an IIT Kanpur literary festival	02-12
Hindi Pakhwada	13-14
Gaatha Mahotsav	15-18

Competitions, Workshops and Panel discussions

Panel discussion: Baangi	19-20
Workshop: Creative writing in Hindi literature	21
Picture Gallery Competition	22
Storytelling competition (in memory of Munshi Premchand)	22-23

Activities

PG Orientation	24
Launch of 'Meri Baat' e-magazine	25
Academic content by NSS volunteers	25-26
Inauguration of Shivani Memorial Hall	27-28

Upcoming Events	29-30
Videos on Hindi Grammar	30
A heartfelt tribute to Prof. Sameer Khandekar	31
Staff Members & Contacts	32

अक्षर - आई आई टी कानपुर का एक साहित्यिक महोत्सव
15 - 17 अक्टूबर, 2023

Akshar- an IIT Kanpur Literary festival
15 - 17 October, 2023

Mr. Muktesh Pant, Ms. Ira Pandey, and Dr. Pushpesh Pant at the event 'Akshar'

"अक्षर" - आई आई टी कानपुर का एक साहित्यिक महोत्सव, का संयुक्त आयोजन, शिवानी-हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र, राजभाषा प्रकोष्ठ, कला, संस्कृति और विरासत प्रकोष्ठ (APPROACH CELL), हिंदी साहित्य सभा और गाथा- एस आई आई सी आई आई टी कानपुर इन्क्यूबेटेड कंपनी द्वारा किया गया।

यह तीन दिवसीय महोत्सव 15 अक्टूबर को प्रारम्भ हुआ तथा 17 अक्टूबर को समाप्त हुआ और जबरदस्त सफल रहा। आई आई टी कानपुर समुदाय ने अनुभवी कलाकारों के वार्तालाप, प्रदर्शन, विचारोत्तेजक चर्चाओं और साँस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया।

इस आयोजन ने नवोदित लेखकों को साहित्य के बारे में और अधिक जानने और उसमें निखार लाने का अवसर भी प्रदान किया। शिवानी जी की प्रशंसित साहित्यिक कृतियों का वर्णन करते हुए कई सत्र आयोजित किए गए। अपने दूसरे दौर में, इस उत्सव ने 20वीं सदी की प्रख्यात हिंदी उपन्यासकार (स्वर्गीय) श्रीमती गौरा पंत जी के जीवन और कार्यों के शताब्दी समारोह को मनाया, जिन्हें उनके उपनाम 'शिवानी' से जाना जाता है।

श्रीमती गौरा पंत जी (शिवानी) के पुत्र श्री मुक्तेश पंत, पुत्री सुश्री इरा पांडेय और भतीजे डॉ. पुष्पेश पंत जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को विशेष रूप से गौरवान्वित किया।

छात्रों को विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों में शामिल करने के लिए संगोष्ठी, चर्चाएँ, कार्यशालाएं तथा कविता और कहानी-लेखन प्रतियोगिताओं जैसे कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए ताकि वे हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की समृद्धि की सराहना कर सकें।

"Akshar"— an IIT Kanpur Literature Festival was jointly organized by Shivani Centre for the Nurture and Re-Integration of Hindi and Other Indian Languages, Rajbhasha Prakoshth, Appreciation and Promotion of Art, Culture, and Heritage (APPROACH) Cell, Hindi Sahitya Sabha, and Gaatha—an SIIC IIT Kanpur incubated company.

The three-day festival kick-started on 15th October and ended on 17th October and was a tremendous success. The talks, performances, and thought-provoking discussions from the seasoned artists have been greatly enjoyed by the IIT Kanpur community.

It also provided an opportunity for aspiring writers to learn more about literature and improve. Multiple sessions have been organized describing the celebrated literary works of Shivani ji. In its second iteration, this festival commemorated the centennial year celebrations of the life and works of renowned Hindi novelist of the 20th century (late) Smt. Gaura Pant, well known by her pen name 'Shivani'.

The event was especially graced by the presence of Mr. Muktesh Pant, Ms. Ira Pandey, and Dr. Pushpesh Pant who are the son, daughter, and nephew, respectively, of the late Smt. Gaura Pant (Shivani ji).

Several other events such as seminars, debates, workshops, and poetry and story-writing competitions were organized to engage students in various literary activities so that they can appreciate the richness of Hindi and other Indian languages.

प्रथम दिवस - अक्षर (15 अक्टूबर 2023)

Address by Prof. S Ganesh, Director, IIT Kanpur

अक्षर- एक साहित्यिक महोत्सव", का उद्घाटन प्रोफेसर एस गणेश, प्रोफेसर कांतेश बालानी, प्रोफेसर ब्रज भूषण, प्रोफेसर शलभ, (दिवंगत) प्रोफेसर समीर खांडेकर और प्रोफेसर अर्क वर्मा ने आई आई टी कानपुर के आउटरीच सभागार में किया।

शिवानी केंद्र के समन्वयक, प्रोफ़ेसर कांतेश बालानी ने स्वागत भाषण दिया। इसके पश्चात, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, आई आई टी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर एस गणेश, शैक्षणिक कार्य के डीन प्रोफेसर शलभ और प्रशासन के डीन प्रोफेसर ब्रज भूषण ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया और सभागार में उपस्थित दर्शकों को संबोधित किया।

उद्घाटन समारोह के पश्चात, "शिवानी का परिचय" का संबोधन शिवानी केंद्र के श्री गोविंद शर्मा ने किया। श्री शर्मा ने दर्शकों को शिवानी जी के जीवन और कार्यों से परिचित कराया, जिनमें उनकी प्रसिद्ध कहानियाँ जैसे कृष्णकली, चौदह फेरे आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शिवानी जी के लेखन में दृढ़ महिला पात्रों की एक अलग आवाज प्रस्तुत होती है, जो अपनी मुक्ति के लिए लड़ती हैं और साथ ही अपने आसपास के लोगों के प्रति करुणा रखती हैं।

इसी क्रम में, कथारंग: ए स्टोरीटेलिंग ग्रुप नामक समूह द्वारा सत्र "साहित्य की सतरंगिनी-शिवानी" में शिवानी जी की सबसे प्रसिद्ध कहानियों का पाठ किया गया। इस दौरान कलाकारों, सुश्री नूतन वशिष्ठ, सुश्री अनुपमा शरद, सुश्री पुनीता अवस्थी और श्री सोम गांगुली ने शिवानी जी की प्रसिद्ध कहानियाँ, 'चन्नी' और 'नथ' का सुंदर वर्णन प्रस्तुत किया। समूह ने अपने जीवंत और उत्साहपूर्ण पाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Day One - Akshar (15 October, 2023)

Address by Prof. Kantesh Balani, Coordinator, Shivani Centre

On its opening day, the event was inaugurated by Prof. S Ganesh, Prof. Kantesh Balani, Prof. Braj Bhushan, Prof. Shalabh, (late) Prof. Sameer Khandekar, and Prof. Ark Verma in the Outreach auditorium at IIT Kanpur.

Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre, provided a welcome note. Besides this, the chief guests of the event, Prof. Ganesh, Director of IIT Kanpur; Prof. Shalabh, Dean of Academic Affairs; and Prof. Bhushan, Dean of Administration, graced the occasion with their presence and later addressed the event.

After the opening ceremony, "Introduction to Shivani" was addressed by Mr. Govind Sharma from Shivani Centre. Mr. Sharma introduced the audience to the life and works of Shivani ji, including her famous stories like Krishna Kali, Chaudah Fere, etc. He informed that Shivani ji's writings presented a distinct voice of strong women characters who fight for their emancipation, and at the same time are compassionate to those around them.

This was followed by a story recital of Shivani ji's most famous stories in "Sahitya ki Satrangini- Shivani" by the group known as Katharang: A Storytelling Group.

During this event, artists Ms. Nutan Vashishtha, Ms. Anupama Sharad, Ms. Punita Awasthi, and Mr. Som Ganguli presented narration of Shivani ji's renowned stories 'Channi' and 'Nath'. The group captivated the audience with their vibrant and lively recital.

Story recital-'Sahitya ki Satrangi-Shivani'

Panel discussion-'Shivani ke Sahitya mein Stri Vimarsh'

Open Mic' event-'Aaj ke ubharte kalakaar'

कार्यक्रम की श्रृंखला में, "शिवानी के साहित्य में स्त्री विमर्श" नामक एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें शिवानी जी के सर्वाधिक प्रशंसित कार्यों का विश्लेषण किया गया। इस चर्चा में कई साहित्यिक हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें बी एच यू से प्रोफेसर चंद्रकला त्रिपाठी, पुणे विश्वविद्यालय से प्रोफेसर शशिकला राय और सुश्री अनुशक्ति सिंह शामिल थीं। पैनल के सदस्यों ने शिवानी जी के लेखन में सशक्त और स्वतंत्र महिला पात्रों के चित्रण पर विस्तार से चर्चा की।

आगे के क्रम में, "आज के उभरते कलाकार" नामक एक ओपन माइक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आई आई टी परिसर के निवासियों, छात्रों और अन्य लोगों के लिए एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए कई छात्रों, कर्मचारियों और नवोदित कलाकारों ने भाग लिया। इनमें सुश्री दिव्या त्रिपाठी, श्री अक्षत शर्मा, सुश्री सुमिता शर्मा, श्री असित प्रकाश, सुश्री संध्या शुक्ला, सुश्री शिप्रा ज्ञानेंद्र सिंह, श्री सोमनाथ बी दनायक, श्री अभिषेक अस्थाना, श्री ऋषभ पांडे, सुश्री निधि बाजपेयी, और श्री सिद्धार्थ सिंह शामिल रहे। ओपन माइक कार्यक्रम का संचालन सुश्री पल्लवी गर्ग ने किया। इस आयोजन ने परिसरवासियों और बाहरी कला प्रेमियों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान किया।

इसके पश्चात, "बच्चों का कोना" नाम का एक ओपन माइक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभाशाली बच्चों ने भाग लिया। आई आई टी कानपुर परिसर से विभिन्न उम्र के कई बच्चे, जिनमें सुश्री श्रीधा दीक्षित, सुश्री आरात्रिका वर्मा, सुश्री अव्या बाजपेयी, सुश्री शैली ओमर, सुश्री आनंदिता श्रीवास्तव, श्री निकित शर्मा और सुश्री मान्या पांडे शामिल थीं। बच्चों ने इस कार्यक्रम में पूरे जोश के साथ भाग लिया।

Besides, there was a panel discussion, 'Shivani ke Sahitya mein Stree Vimarsh', in which the most celebrated work of Shivani ji was discussed. Several literary figures, such as Prof. Chandrakala Tripathi from BHU, Prof. Shashikala Rai from Pune University, and Ms. Anushakti Singh, participated in the event. The panelists discussed in detail the depiction of strong and independent women characters in Shivani ji's writings.

In addition, an open mic event, “Aaj ke Ubharte Kalakaar,” was held in which a Kavi Sammelan was organized for the IIT campus residents, students, and others. The event featured several students, employees, and aspiring artists hailing from various states. These included Ms. Divya Tripathi, Mr. Akshat Sharma, Ms. Sumita Sharma, Mr. Asit Prakash, Ms. Sandhya Shukla, Ms. Shipra Gyanendra Singh, Mr. Somnath B. Danayak, Mr. Abhishek Asthana, Mr. Rishabh Pandey, Ms. Nidhi Bajpai, and Mr. Siddharth Singh. The event was conducted by Ms. Pallavi Garg.

The event offered a platform for both aspiring artists among the campus residents and individuals from other locations to showcase their talents.

Later, the open mic session “Bachchon ka kona” was organized for talented kids on campus. Several children of varying ages, namely, Ms. Sridha Dixit, Ms. Aratrika Verma, Ms. Aavya Bajpai, Ms. Shaily Omar, Ms. Anandita Srivastava, Mr. Nikit Sharma, and Ms. Manya Pandey, participated in the event with their full vigor.

Open mic event-
'Bachchon ka kona'

Bharatnatyam dance performance-
'Nritya Sandhya'

इस प्रयास ने बच्चों को अपने हुनर को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने युवाओं को भविष्य में अपने कौशल को विकसित, प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए मंच प्रदान किया। दर्शकों ने इस कार्यक्रम को खूब सराहा।

इसके बाद, कुमारी शर्वरी जी. राव और श्रीमती नागरेखा जी. राव ने "नृत्य संध्या - एक भरतनाट्यम प्रदर्शन" की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम ने दर्शकों को तमिलनाडु से उत्पन्न भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूप, भरतनाट्यम को समझने और उसकी सराहना करने का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही, इसका उद्देश्य भारतीय शास्त्रीय नृत्य को कला के रूप में प्रस्तुत करके देश की साँस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना था।

शाम का आखिरी कार्यक्रम 'सुर सरिता - शास्त्रीय स्वर संगीत की एक संध्या' डॉ. भाग्यश्री देशपांडे और उनके सुरंजलि समूह द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉ. देशपांडे और सह कलाकारों ने अपने भावपूर्ण स्वर में हिंदुस्तानी रागों और गज़लों के रूप में 'मोरे साजन घर आयो रे', 'पायो जी मैंने रामरतन धन पायो', और 'आज जाने की जिद ना करो' जैसे गीतों के साथ दर्शकों को मोहित किया। दर्शकों ने इसे उत्साहपूर्वक तालियों से सराहा।

अंत में, श्री अमित तिवारी जी, जो 'गाथा' ऑडियो होस्टिंग प्लेटफ़ॉर्म के संस्थापक हैं, ने सभी कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इन कार्यक्रमों के साथ-साथ, अक्षर 2023 ने आई आई टी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम लॉन में एक बृहद पुस्तक मेला का भी आयोजन किया, जिसमें देश के प्रमुख प्रकाशक शामिल रहे। पुस्तक मेला में विभिन्न भाषाओं की पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस पुस्तक मेला में बच्चों की पुस्तकों के लिए एक विशेष कोना भी शामिल था।

The occasion provided an opportunity for youngsters to showcase their talents publicly, intending to encourage and motivate them to continue developing their skills in the future as well. The show was greatly appreciated by the audience. Further, "Nritya Sandhya- A Bharatnatyam Performance" was then showcased by Kumari Sharvari G. Rao and Smt. Nagarekha G. Rao.

The event provided the audience with an opportunity to comprehend and appreciate Bharatanatyam, an Indian classical dance form that originated in Tamil Nadu. Also, it aimed to promote the cultural heritage of the country by showcasing art in the form of Indian classical dance.

The last program of the evening was 'Sur Sarita – An Evening of Classical Vocal Music' presented by Bhagyashree Deshpande and her Suranjali Group.

Ms. Deshpande and the accompanying artists mesmerized the audience with their soulful voices and renditions of Hindustani Ragas and Ghazals such as 'More saajan ghar aayo re', 'Payo ji maine Ramratan dhan payo', and 'Aaj jaane ki zid na karo'. The performance carried the audience to the realms of Indian music, and the show was enthusiastically applauded by all.

At the end of the opening day, the vote of thanks to all the performers was delivered by Mr. Amit Tiwari, founder of 'Gaatha-an audio hosting platform'. Notably, Akshar 2023 also hosted a Mega Book Fair, which was organized and coordinated by leading publishers in the country, at the Outreach Auditorium lawns of IIT Kanpur. The book fair featured prominent book publishers throughout the country, showcasing works in a wide array of languages. A special section for children's books was also included in the book fair.

'Sur Sarita' – an Indian classical music presentation

Grand book fair, Akshar 2023

द्वितीय दिवस - अक्षर (16 अक्टूबर 2023)

Day Two - Akshar (16 October, 2023)

Indian classical dance – 'Kathak'

Kathak performance by Zeeshan Ali's group

'Shivani ki kahaniyon ka sajeev prastutikaran', by Ms. Nayani Dixit

पहले दिन के भरतनाट्यम, शास्त्रीय नृत्य और ओपन-माइक की शानदार प्रस्तुतियों के बाद, अक्षर के दूसरे दिन (16 अक्टूबर, 2023), कला और संस्कृति के नए आयाम प्रस्तुत किए गए, जिसमें साहित्य, संस्कृति, रीति-रिवाज और सिनेमा पर कई दिलचस्प और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम संपन्न किये गए।

दिन की शुरुआत जीशन अली ग्रुप और आई आई टी कैंपस समुदाय के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए कथक नृत्य से हुई। इस कार्यक्रम में, कलाकारों ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किए, जिसमें उन्होंने अपनी मुद्रा, चाल-ढाल और भावों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने उनके नृत्य को खूब सराहा।

इसके बाद, "दिल्ली बेली", "क्वीन" और "शादी में जरूर आना" जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री नयनी दीक्षित ने सत्र, 'शिवानी की कहानियों का सजीव प्रस्तुतिकरण' में शिवानी की कहानियों का एक दिलचस्प और जीवंत मंचन किया। कार्यक्रम के दौरान, फिल्म अभिनेत्री और अभिनय प्रशिक्षिका नयनी दीक्षित ने शिवानी की प्रसिद्ध कहानियाँ "सती" और "श्राप" का मंचन किया, जिसमें उन्होंने अपनी स्पष्ट और आकर्षक आवाज़ के द्वारा एक बेहतरीन प्रस्तुति दी। नयनी दीक्षित द्वारा शिवानी की कहानियों की अद्भुत प्रस्तुति से दर्शक बहुत प्रभावित हुए और सभी ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की।

'आज के तकनीकी युग में लेखन एवं प्रकाशन' शीर्षक से एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रमुख प्रकाशकों में से राजकमल प्रकाशन लिमिटेड के श्री अलिंद माहेश्वरी, रुख प्रकाशन के श्री अनुराग वत्स, श्री बाल कृष्ण बिरला (आई आई टी कानपुर के पूर्व छात्र एवं टेक्नोक्रेट), आई आई टी कानपुर के प्रोफेसर श्री अर्णव भट्टाचार्य और प्रशंसित लेखक एवं आलोचक श्री आनंद कक्कड़ भागीदार थे।

Following mesmerizing performances of Bharatnatyam, classical dance, and compelling open-mic performances on day one, the second day of Akshar (16/10/2023) reached new heights and delved into the realms of literature, culture, customs, and cinema.

The day commenced with an excellent performance of the Kathak dance, organized by Zeeshan Ali Group and executed by performers from the IIT Campus community.

In this event, the performers showcased a diverse range of postures, movements, and emotions in their performances, captivating the audience. The show was greatly appreciated and applauded by everyone.

Subsequently, Bollywood actress Ms. Nayani Dixit, renowned for her notable performances in movies such as 'Delhi Belly', 'Queen', and 'Shaadi mein zaroor aana', delivered a captivating and realistic rendition of Shivani's stories in the session 'Shivani ki kahaniyon ka sajeev prastutikaran'.

During the event, film actress and acting coach Ms. Nayani Dixit presented Shivani ji's renowned stories, such as 'Sati' and 'Shraap'. She conveyed the stories using her articulate and compelling vocal emotions. The audience was extremely impressed by Nayani's exceptional rendition of Shivani's stories and the show was loudly applauded by all.

A panel discussion titled 'Aaj ke takneeki daur mein lekhan evam prakashan' was organised, with the participation of leading publishers of our country such as Mr. Alind Maheshwari from Rajkamal Prakashan Ltd., Mr. Anurag Vats from Rukh Prakashan, Mr. Bal Krishna Birla (an alumnus of IIT Kanpur and technocrat), Prof. Arnab Bhattacharya from IIT Kanpur, and acclaimed writer and critic Mr. Anand Kakkad.

Panel discussion-'Aaj ke takneeki daur mein lekhan evam prakashan'

Kabir ke bhajan

सत्र के दौरान साहित्य पर सोशल मीडिया, ए आई, और चैट जी पी टी जैसी तकनीकी प्रगति के प्रभाव पर विचार करते हुए, समकालीन लेखन और प्रकाशन में चुनौतियों और अवसरों के बारे में गहन चर्चा हुई। इस सत्र का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के युग में साहित्य के समकालीन महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस चर्चा को दर्शकों द्वारा व्यापक प्रशंसा मिली।

इसके पश्चात, एप्रोच सेल के सदस्य, जिनमें श्री नमन सिंह, श्री निशांत सिंह, श्री प्रखर पांडे, डॉ. देवानंद पाठक, और श्री हरीश झा शामिल थे, ने 'कबीर के भजन' का शानदार प्रस्तुतिकरण किया। कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए भजनों में दिव्यता, स्नेह, श्रद्धा और ज्ञान के विषयों का समावेश था। भक्ति संगीत की सुमधुर धुनों और कलाकारों के शानदार गायन का श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया।

इसके बाद, 'भारतीय सिनेमा में महिलाओं का चित्रण' विषय पर एक पैनल चर्चा हुई। जिसमें प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक श्री आर बाल्की, प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक और विश्लेषक श्री कमल नाहटा, और साहित्य प्रेमी और पॉसिबल एजुकेशन की सी ई ओ सुश्री सुरभि मोदी ने भाग लिया।

चर्चा ने भारतीय सिनेमा में महिला पात्रों के चित्रण के विकसित होते हुए स्वरूप पर गहन विचार किया, जिसमें स्वीकार किया गया कि यद्यपि महिला पात्रों की भूमिकाओं में प्रगति हुई है, लेकिन हमें अभी भी अपने परिवारों और समाज में महिला भूमिकाओं से जुड़े रूढ़िवादी विचारों को तोड़ने के लिए प्रयास करने की ज़रूरत है। आधुनिक भारतीय सिनेमा में महिलाओं का चित्रण मुख्य रूप से सकारात्मक है और महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाने और समाज में उनके स्थान को बढ़ाने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चर्चा को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

A profound discussion about the challenges and opportunities in contemporary writing and publishing took place, considering the impact of social media and technological advances such as AI and Chat GPT on literature. This session was meant to raise awareness of the contemporary importance of literature to the audience in the era of technology. The discussion received widespread acclaim from all the attendees.

A sublime rendition of 'Kabir ke bhajan' was then performed by members of the APPROACH Cell, including Mr. Naman Singh, Mr. Nishant Singh, Mr. Prakhar Pandey, Dr. Devanand Pathak, and Mr. Harish Jha. The bhajans performed at the event centred on the subjects of divinity, affection, reverence, and wisdom. The crowd derived great pleasure from the devotional music and the magnificent performances of the artists.

Subsequently, a panel discussion on 'The depiction of women in Indian cinema' took place. The conversation was led by esteemed Bollywood producer and director Mr. R Balki, renowned film critic and analyst Mr. Komal Nahata, and Ms. Surabhi Modi, a literature enthusiast and CEO of Possible Education.

The discussion delved into the evolving portrayal of female characters in Indian cinema over the years, acknowledging that although there has been progress in expanding their roles, there is still work to be done to break out of the stereotypes associated with female roles in our families and society. It was determined that the portrayal of women in modern Indian cinema is predominantly favourable and is playing a significant role in elevating the status of women and enhancing their position in society. The discussion was well received by the audience.

Panel discussion-'The depiction of women in Indian cinema'

कार्यक्रम का समापन "गुफ्तगू" संवाद के साथ हुआ। इसमें प्रसिद्ध कवि और लेखक डॉ. अशोक चक्रधर और सुश्री भावना तिवारी के बीच चर्चा हुई। चर्चा का केंद्र डॉ. चक्रधर के जीवन और उपलब्धियों के साथ-साथ समाज और उनके व्यक्तिगत जीवन में साहित्य का महत्व था।

प्रख्यात हिंदी विद्वान, कवि और लेखक डॉ. अशोक चक्रधर ने कविता, नाटक, दूरदर्शन धारावाहिक और व्यंग्य के विभिन्न रूपों का सृजन किया है। उनकी कविता में हास्य और व्यंग्य का समावेश रहता है, जिसके लिए उन्हें 2014 में पद्म श्री सहित उनके रचनात्मक योगदान के लिए कई सम्मान मिले हैं।

इस सत्र के दौरान, उन्होंने अपने साहित्यिक जीवन की यात्रा और लेखन से संबंधित अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। इसके अलावा, उन्होंने बदलते साहित्यिक परिवेश और समकालीन लेखन तकनीकों पर अपने विचार व्यक्त किए। श्रोताओं ने बातचीत का उत्साहपूर्वक आनंद लिया और इसको खूब सराहा।

द्वितीय दिवस के कार्यक्रम के समापन पर शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक प्रोफेसर अर्क वर्मा ने सभागार में उपस्थित सभी दर्शकों एवं कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

The day concluded with a thought-provoking conversation, titled 'Guftagu' between renowned poet and author Dr. Ashok Chakradhar and Ms. Bhavna Tiwari. The discussion was centred on the life and accomplishments of Shri Chakradhar, as well as the significance of literature in society and our individual lives. Dr. Ashok Chakradhar, a distinguished Hindi scholar, poet, and writer, has created several forms of poetry, dramas, television serials, and satire. His poetry features a sense of humour and satire, for which he has received numerous honours for his creative contributions, including the Padma Shri in 2014.

During the session, he narrated the journey of his literary career and addressed his personal experiences pertaining to writing. Furthermore, he expressed his perspectives on the evolving literary environment and contemporary writing techniques. The audience enthusiastically appreciated and applauded the conversation.

At the conclusion of the day, a vote of gratitude was delivered by Prof. Ark Verma, co-coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur.

Conversation with Dr. Ashok Chakradhar-'Guftagu'

तृतीय दिवस - अक्षर (17 अक्टूबर 2023)

Mr. Muktesh Pant and Smt. Ira Pandey with Prof. S. Ganesh.

'अक्षर' साहित्यिक महोत्सव के समापन दिवस पर, शिवानी जी के बेटे श्री मुक्तेश पंत (आई आई टी कानपुर के पूर्व छात्र और शिवानी केंद्र के संस्थापक) की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी शोभायमान बनाया। साथ ही उनकी पत्नी श्रीमती विनीता पंत; शिवानी जी की बेटी श्रीमती इरा पांडे (एक प्रसिद्ध स्वतंत्र लेखिका और अनुवादक); उनके पति, श्री अमिताभ पांडे; पुत्र श्री आदित्य पांडे और शिवानी जी के भतीजे डॉ. पुष्पेश पंत (एक भारतीय अकादमिक, खाद्य समीक्षक, इतिहासकार एवं पद्मश्री सम्मानित), इस समापन दिवस के अवसर पर उपस्थित हुए।

इसके अतिरिक्त, श्री मुक्तेश पंत के कई सहकर्मी, जो आई आई टी कानपुर के पूर्व प्रतिष्ठित छात्रों के रूप में पहचाने जाते हैं, जैसे श्री सुधाकर केसवन, श्री अनुपम खन्ना, श्री वरुण सिन्हा, श्री राजेश अदनान पांडे और कुछ अन्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थित देकर इस अवसर की शोभा बढ़ाई और शिवानी जी से जुड़ी अपनी सामूहिक यादें साझा कीं।

कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के निदेशक, प्रोफेसर एस गणेश के सम्बोधन द्वारा किया गया। उन्होंने साहित्य के समकालीन महत्व को संबोधित करते हुए कहा की यह केवल एक विषय के रूप में ही नहीं बल्कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी अवधारणाओं को स्पष्ट करने में भी उपयोग होता है। इसके अलावा, उन्होंने शिवानी जी के जीवन और उनके कार्यों से जुड़े महत्व पर भी प्रकाश डाला।

इसके पश्चात, श्री मुक्तेश पंत जी द्वारा एक संबोधन दिया गया। उन्होंने अपनी माँ शिवानी जी के बारे में, अपने आई आई टी कानपुर में व्यतीत छात्र जीवन के दिनों और अपने सहपाठियों के कुछ सामूहिक संस्मरणों के बारे में अनुभव साझा किये।

Day Three - Akshar (17 October, 2023)

Mr. Muktesh Pant with his classmates at IIT Kanpur (Batch 1976)

The concluding day of the Literature Festival 'Akshar', was graced by the presence of Shivani ji's son, Mr. Muktesh Pant, an alumnus of IIT Kanpur and founder of Shivani Centre, IIT Kanpur; his wife, Smt. Vinita Pant; Shivani ji's daughter, Smt. Ira Pandey, a renowned freelance writer and translator; her husband, Mr. Amitabha Pandey, and son, Mr. Aditya Pandey; and Shivani ji's nephew, Dr. Pushpesh Pant, an Indian academic, food critic, historian, and Padmashree.

In addition, several of Mr. Muktesh Pant's classmates, who are recognized as former distinguished alumni of IIT Kanpur, including Mr. Sudhakar Kesavan, Mr. Anupam Khanna, Mr. Varun Sinha, Mr. Rajesh Adnan Pandey, and a few others, graced the occasion and shared their collective memories of Shivani ji.

The day commenced with a welcome note by Prof. S Ganesh, Director of IIT Kanpur. He addressed the contemporary importance of literature in providing rich opportunities to not only literature as a subject but also to teach critical technology. Further, he highlighted the life of Shivani and the significance associated with her works.

This was followed by an address from Mr. Muktesh Pant. He spoke about the memories of his mother, Shivani ji, and about the time he had spent at IIT Kanpur during his BTech days, and some of the collective memories of his batch mates.

Event-'Humari Diddi'

Dr. Pushpesh Pant addressing the event-'Humari Diddi'

Presentation of Shivani's life, by Mr. Vaibhav Singh

"हमारी दिद्दी" नामक सत्र में, श्री मुक्तेश पंत, उनकी बहन श्रीमती इरा पांडे और उनके चचेरे भाई श्री पुष्पेश पंत ने दिवंगत श्रीमती गौरा पंत 'शिवानी' जी के जीवन और अनमोल रचनाओं के बारे में बातचीत की। उन्होंने 20वीं सदी के भारतीय महिला-केंद्रित उपन्यास लेखन में शिवानी जी के प्रमुख सफर की झलक दिखाई। साथ ही, उन्होंने शिवानी जी को श्रद्धांजलि देते हुए शांति निकेतन के स्कूली दिनों के संस्मरण को ताजगी और हास्य के माध्यम से साझा किया। शुरुआती किशोरावस्था में ही, शिवानी जी को उनके भाई-बहनों के साथ शांति निकेतन भेजा गया था। तब संस्थापक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी जीवित थे और परिसर में मौजूद थे। गुरुदेव टैगोर की संगति में, जिनकी शिक्षाओं ने एक संवेदनशील और सतर्क बुद्धि की नींव रखी, शिवानी जी ने 20वीं सदी की एक प्रसिद्ध हिंदी लेखिका बनकर अपनी कल्पना की ऊंचाइयों को छूने में सफलता प्राप्त की।

उन्होंने बताया कि शिवानी जी एक कुशल निरीक्षक थीं और वे अपने आसपास के लोगों को गौर से पर्यवेक्षण करती थीं, साथ ही उनसे बातचीत करती थीं। उनके लेखन में अक्सर आसपास के लोगों की जीवन कहानियाँ झलकती थीं। 'एक थी रामरती ' शिवानी जी का एक ऐसा ही उपन्यास है, जो उनके परिवार में सहयोग करने वाली सहायिका के जीवन पर आधारित है। इस वार्तालाप को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

डॉ. वैभव सिंह, हिंदी साहित्य के एक प्रमुख लेखक, ने तत्पश्चात् शिवानी जी के जीवन और साहित्यिक योगदान पर एक विमर्श प्रस्तुत किया। श्री सिंह ने एक लेखिका के रूप में शिवानी जी की यात्रा के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं और उनकी उल्लेखनीय साहित्यिक उपलब्धियों को उजागर किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उनके लेखन के उन पहलुओं का विश्लेषण किया जो उनके पाठकों के साथ वास्तव में प्रतिध्वनित हुए। उन्होंने उनकी कुछ प्रसिद्ध रचनाओं जैसे कृष्णकली, चौदह फेरे और लाल हवेली की पृष्ठभूमि पर भी जोर दिया।

In the session titled 'Humari Diddi', Shivani ji's son, Mr. Muktesh Pant, along with his sister, Smt. Ira Pandey, and cousin, Mr. Pushpesh Pant, spoke about the life and precious compositions of the late Smt. Gaura 'Shivani' Pant. "They gave a glimpse of the pioneering journey of Shivani ji in writing Indian women-centric fiction of the 20th century. Also, they shared Shivani's memoir of her schoolgirl days in Shantiniketan in a nostalgic tribute blended with humour. In her early teens, Shivani was sent to Shantiniketan along with her siblings when founder Rabindranath Tagore was alive and on the premises. In Tagore's company, whose teachings lay the foundation of a perceptive and alert mind, Shivani ji grew up to become a renowned Hindi writer of the 20th century.

They revealed that Shivani ji was a keen observer and used to notice and talk to people around her, and that her scripts were often a reflection of the life stories of people living around her. 'Ek thi Ramrati' is one such novel composed by Shivani ji, which is based on the life of her family's house helper. The conversation was well received and enthusiastically applauded by the audience.

Dr. Vaibhav Singh, a prominent writer in Hindi literature, then presented a discourse on the life and literary contributions of Shivani ji. Mr. Singh highlighted certain key aspects of Shivani ji's journey as a writer and her notable literary achievements. In addition, he analyzed the aspects of her writing that genuinely resonated with her readers. He emphasized the background of several of her well-known narratives, including Krishnakali, Chaudah Fere, and Lal Haveli.

Session- 'Shivani Apne Pathakon ki Nazaron mein'

Event-'Ram ki shakti pooja' by theatre group 'Roopvani'

इसके अतिरिक्त, 'शिवानी- अपने पाठकों की नज़रों में' नामक एक सत्र आयोजित किया गया, जिसके दौरान सुश्री सुदीप्ति और अन्य प्रतिभागियों ने शिवानी जी के साहित्यिक कार्यों पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त किए। इस सत्र में श्री राजेश, श्रीमती मौली, श्रीमती रत्ना, श्रीमती संध्या, श्रीमती अनीता और श्रीमती भावना शामिल थीं। कार्यक्रम में भाग लेने वालों ने शिवानी जी की साहित्यिक रचनाओं को पढ़ने पर अपने व्यक्तिगत विचार साझा किए। इसके अलावा, उन्होंने शिवानी जी की रचनाओं की नवीनता और व्यावहारिकता को रेखांकित किया, जिनमें उपन्यास, लघु उपन्यास, संस्मरण और लघु कथाएँ शामिल हैं तथा जिन्हें आने वाली पीढ़ियों की साहित्यिक शिक्षा के लिए अनुकरणीय साहित्य माना जाता है। यह सत्र दर्शकों द्वारा बेहद सराहा गया।

इसी क्रम में, वाराणसी के श्री व्योमेश शुक्ल और उनकी रंगमंच मंडली 'रूपवाणी' ने प्रसिद्ध कवि श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की एक प्रसिद्ध महाकाव्य रचना, "राम की शक्ति पूजा" का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया। श्री व्योमेश शुक्ल जी ने इस प्रदर्शन का निर्देशन किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। "राम की शक्ति पूजा' रूपवाणी समूह की 92वां प्रस्तुति थी, जिसे देश भर में प्रदर्शित किया गया। इस प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा गर्मजोशी से सराहा गया और सभी ने इस प्रस्तुति पर ज़ोरदार तालियाँ बजाईं।

नाट्य प्रस्तुति के पश्चात् संगीतमय प्रस्तुति, 'शरद ऋतु पर रवीन्द्र संगीत का एक गुलदस्ता' को आई आई टी कानपुर के "बोधि समूह" द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों में आई आई टी कैंपस समुदाय के कई सदस्य शामिल थे, जिनमें सुश्री महुआ बैनर्जी, सुश्री मैत्रेयी चैटर्जी, सुश्री चित्रलेखा भट्टाचार्य, सुश्री अनन्या दास, सुश्री सहेली दत्ता, सुश्री सरनी साहा, सुश्री शर्मिष्ठा मित्रा, और श्री सौम्येन गुहा, तबले पर संगत श्री हरीश झा तथा वायलिन वादक डॉ. देवानंद पाठक ने प्रस्तुति दी।

Further, a session titled 'Shivani-Apne Pathakon ki Nazaron mein' was conducted, during which Ms. Sudipti and other participants expressed their perspectives on the literary works of Shivani ji.

The session comprised of Mr. Rajesh, Mrs. Mauli, Mrs. Ratna, Mrs. Sandhya, Mrs. Anita, and Mrs. Bhavana. Participants in the event shared their personal views on reading Shivani Ji's literary works. Moreover, they highlighted the novelty and practicality of Shivani ji's creations, including novels, memoirs, and short stories, which are regarded as exemplary literature for the literary education of future generations. The session was well received and appreciated by everyone.

Later, Mr. Vyomesh Shukla and his theatre group 'Roopvani' from Varanasi presented a theatrical rendition of one of the renowned epic poems, "Ram ki Shakti Pooja," by the esteemed poet Shri Surya Kant Tripathi Nirala.

Mr. Shukla, a well-known poet, directed the performance, which held the audience spellbound and mesmerized. This was the 92nd rendition of the Roopvani Group's “Ram Ki Shakti Pooja', a production that has been showcased nationwide. The show was warmly received and loudly applauded by all.

The musical performance, 'Sharad ritu per Rabindra Sangeet ka ek guldasta' was given by the “Bodhi group” of IIT Kanpur. The participants included several members of the IIT Campus Community, namely, Ms. Mahua Banerjee, Ms. Maitreyi Chatterjee, Ms. Chitralekha Bhattacharya, Ms. Ananya Das, and Ms. Saheli Datta, Ms. Sarani Saha, Ms. Sharmishtha Mitra, and Mr. Soumyen Guha, along with the violinists Dr. Devanand Pathak and Mr. Harish Jha on Tabla.

Music event-'Sharad ritu per Rabindra sangeet ka ek guldasta'

Maha Kavi Sammelan-'Kuch Alfazon ki Parvez'

इस संगीतमय प्रस्तुति ने अपने उत्साह भरे और मधुर स्वरों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रदर्शन को सभी ने सर्वसम्मति से और दिल से सराहा, सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रस्तुतकर्ताओं को सम्मानित किया।

अंत में, 'कुछ अल्फाज़ों की परवाज़' नामक एक महाकवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को देश के प्रख्यात साहित्यकारों की भागीदारी से गौरवान्वित किया गया, जिनमें श्री सौम्य मालवीय, श्री अविनाश मिश्रा, श्री व्योमेश शुक्ल, श्री पंकज चतुर्वेदी और सुश्री भावाना तिवारी शामिल थे। इसके अलावा, उर्दू कवियों में श्री फरहत एहसास, श्री शारिक कैफी और श्री अमृतांशु शर्मा शामिल थे।

कवियों और शायरों ने अपने गहन गीतों और ग़ज़लों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 'कुछ अल्फाज़ों की परवाज़' को दर्शकों ने खूब सराहा और जोरदार तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इसके साथ ही, 'अक्षर' कार्यक्रम के तीनों दिन देश के प्रमुख प्रकाशकों द्वारा एक शानदार पुस्तक मेला का आयोजन किया गया।

आई आई टी कानपुर में आयोजित तीन दिवसीय 'अक्षर' साहित्यिक महोत्सव को सभी संबंधित व्यक्तियों के अथक प्रयासों के कारण एक उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई। आयोजन समिति में, शिवानी केंद्र आई आई टी कानपुर से सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु और श्री गोविंद, साथ ही राजभाषा प्रकोष्ठ से श्री विजय कुमार पांडे, श्री जगदीश प्रसाद, श्री अरविंद सैनी, सुश्री अल्पना दीक्षित एवं श्री रामपूजन शामिल थे, जिन्होंने इस कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया।

The show captivated the crowd with its passionate and melodious tunes. The performance received unanimous and heartfelt admiration from everyone and was applauded by all.

At the end, a Maha Kavi Sammelan titled 'Kuch Alfazon ki Perwaz' was organized. This event was graced by the participation of eminent literary personalities from the country, such as Mr. Soumya Malviya, Mr. Avinash Mishra, Mr. Vyomesh Shukla, Mr. Pankaj Chaturvedi, and Ms. Bhawana Tiwari. In addition, the Urdu poets comprised Mr. Farhat Ehsas, Mr. Shariq Kaifi, and Mr. Amritanshu Sharma.

The poets captivated the audience with their profound lyrics and ghazals, leaving everyone entranced. The performance was well-received and enthusiastically cheered by the audience.

Besides, a mega book fair was conducted featuring leading publishers of the country in all three days of the 'Akshar; event.

The three-day 'Akshar' literature festival at IIT Kanpur was a remarkable success due to the efforts of everyone concerned. Additionally, the organizing team, which included Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu, and Mr. Govind from Shivani Centre IIT Kanpur, as well as Mr. Vijay Kumar Pandey, Mr. Jagdish Prasad, Mr. Arvind Saini, Ms. Alpana Dixit and Mr. Rampujan from Rajbhasha Prakoshtha, worked tirelessly to ensure the success of this event.

हिन्दी पखवाड़ा: (14-29 सितम्बर, 2023)

Hindi Pakhwada event at IIT Kanpur

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में, 14 से 29 सितम्बर 2023 तक, शिवानी केंद्र ने राजभाषा प्रकोष्ठ और हिंदी साहित्य सभा के सहयोग से आई आई टी कानपुर में 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

आई आई टी कानपुर के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने इन प्रतियोगिताओं में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। संस्थान के भीतर हिंदी भाषा के पढ़ने और लिखने को बढ़ावा देना और उस भाषा की प्रतिभा को पहचानना, जो हमारे राष्ट्र का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करती है, इन प्रतियोगिताओं का प्राथमिक उद्देश्य था।

'हिंदी पखवाड़ा' के अंतर्गत दो सप्ताह में, कई हिंदी भाषा प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सबसे पहले, हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें अधिकांश गैर-हिंदी भाषी सदस्यों को हिंदी में वर्तनी कौशल का आंकलन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके अतिरिक्त, कहानी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतियोगियों को एक चित्र दिया गया और कुछ मिनट दिए गए, कि वे उसका मूल्यांकन करें और दिखाए गए चित्र के आधार पर एक कहानी लिखें। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच त्वरित सोच कौशल और वाक्पटुता का परीक्षण करना था।

इसके अतिरिक्त, सितंबर के अंतिम सप्ताह के दौरान हिंदी पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न निर्धारित विषयों पर पत्र लिखने के लिए आमंत्रित किया गया। साथ ही, एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को कई निर्धारित मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट करनी थी।

Hindi Pakhwada: (14–29 September, 2023)

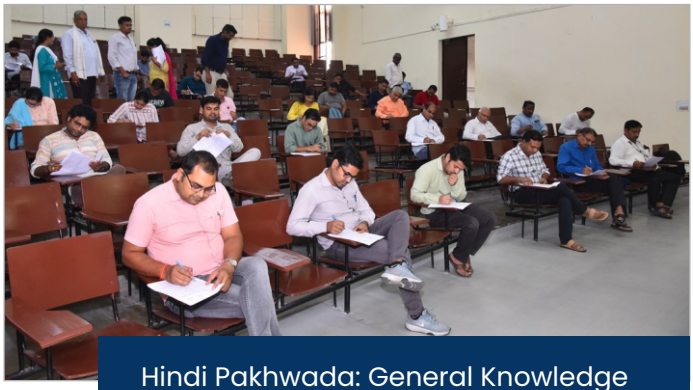

Hindi Pakhwada: General Knowledge competition

To commemorate Hindi Diwas on September 14, 2023, Shivani Centre collaborated with Rajbhasha Prakoshth and Hindi Sahitya Sabha to organize 'Hindi Pakhwada' at IIT Kanpur, in which several competitions were conducted.

Both undergraduate and postgraduate students of IIT Kanpur participated in these competitions with great enthusiasm. The primary objective of the competitions held was to promote the reading and writing of Hindi within the institution and to recognize the brilliance of the language that best encapsulates our nation.

Over the course of two weeks, various Hindi-language contests and events were held. Initially, a Hindi dictation competition was conducted in which members, mostly non-Hindi speakers, were invited to assess their proficiency in spelling in our native language, Hindi.

In addition, a story-writing competition was hosted in which contestants were provided with a picture and given a few minutes to evaluate it and write a story based on the picture shown. The objective of this competition was to test quick-thinking skills and eloquence among the participants.

Furthermore, a Hindi letter-writing competition was conducted during the final week of September, wherein participants were required to compose letters on various assigned topics. In addition, a declamation competition was held in which participants were required to explain their opinions on several assigned issues.

इसके अलावा, "जीवन में एक यादगार अनुभव" को सुनाने पर केंद्रित एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही, आई आई टी कानपुर में विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए अन्य हिंदी-भाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में परिसर समुदाय के 600 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इसके अलावा, 25 सितंबर 2023 को हिंदी में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें आई आई टी कानपुर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा के अंतिम दिन, 29 सितंबर, 2023 को अकादमिक मामलों के डीन प्रोफेसर ब्रज भूषण, शिवानी केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर कांतेश बालानी, और शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक प्रोफेसर अर्क वर्मा ने अपनी उपस्थिति एवं सम्बोधन से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। हिन्दी पखवाड़ा में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये तथा उपस्थित सभी लोगों को भविष्य में भी हिन्दी भाषा के विकास को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से संलग्न रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस तरह हिन्दी पखवाड़ा का समापन हुआ जो न केवल आनंददायक रहा बल्कि शिक्षाप्रद भी था।

Besides, a declamation competition centered on recounting a memorable experience in life was organized. Moreover, other Hindi-language competitions were organized for students from different schools at IIT Kanpur. These competitions drew the participation of more than 600 students in the campus community.

Furthermore, on September 25th, a general knowledge competition in Hindi was held, in which IIT Kanpur students competed enthusiastically.

On the last day of the occasion, September 29, 2023, Prof. Braj Bhushan, Dean of Academic Affairs; Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre; and Prof. Ark Verma, Co-Coordinator of Shivani Centre, addressed and graced the event with their presence. The winners of the competitions held in 'Hindi Pakhwada' were awarded prizes, and all the attendees were motivated to actively engage in promoting the growth of the Hindi language in the future as well.

This marked the conclusion of 'Hindi Pakhwada' which was not only enjoyable but also educational.

Hindi-based competitions at Schools in Kanpur

Winners of Hindi Pakhwada competitions

Hindi Diwas Celebration

गाथा महोत्सव: (23 जुलाई, 2023)

Discussion: 'Intellectual and cultural challenges in the era of social media' by Dr. Pradeep Dixit

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने शिवानी केंद्र, राजभाषा प्रकोष्ठ, और लोकप्रिय ऑडियो होस्टिंग प्लेटफ़ॉर्म गाथा के सहयोग से 23 जुलाई 2023 को अपने चौथे वर्षगांठ संस्करण के उपलक्ष्य में साहित्यिक उत्सव 'गाथा महोत्सव' का आयोजन किया। इस आयोजन में कला, मनोरंजन और साहित्य के क्षेत्रों से कई प्रसिद्ध हस्तियों ने भाग लिया।

आई आई टी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर अभय करंदीकर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे साहित्यिक आयोजन भारतीय साहित्य को पूरे देश में प्रसारित करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, इस अवसर पर शिवानी केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर कांतेश बालानी ने सभागार में उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित किया एवं प्रो. ब्रज भूषण डीन ऑफ़ एडमिनिस्ट्रेशन और शिवानी सेंटर के सह-समन्वयक प्रोफेसर अर्क वर्मा की उपस्थिति ने इस आयोजन की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में उत्कर्ष अकादमी के निदेशक डॉ. प्रदीप दीक्षित ने "सोशल मीडिया के युग में बौद्धिक और साँस्कृतिक चुनौतियाँ" विषय पर अपने विचार साझा किये। सोशल मीडिया ने हमारे जीवन को कई तरह से प्रभावित किया है। उन्होंने साझा किया कि डिजिटल युग की तेज गति और निरंतर जुड़ाव वाली दुनिया में हमारे "डिजिटल जीवन" और संपूर्ण "कल्याण" के बीच एक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है। तकनीकी पहुँच, काम की मांग, सोशल मीडिया और सूचना अधिभार के दौर में, अपनी प्राथमिकताओं को तय करना और उसके अनुसार कार्य करना आवश्यक है।

Gaatha mahotsav: (23 July, 2023)

Discussion: 'Cinema aur sahitya' by Mr. Akhilendra Mishra

The Indian Institute of Technology Kanpur, in collaboration with Shivani Centre, Hindi Cell, and Gaatha, a popular audio hosting platform, hosted the literary festival, Gaatha Mahotsav, on July 23, 2023, on its fourth-anniversary edition. The event featured several notable figures from the fields of arts, entertainment, and literature.

Prof. Abhay Karandikar, Director of IIT Kanpur, inaugurated the event. During his address, he emphasized that these literary events play an unprecedented role in disseminating Indian literature across the entire nation. In addition, the occasion was addressed and graced by the presence of Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre; Prof. Braj Bhushan, Dean of Administration; and Prof. Ark Verma, Co-Coordinator of Shivani Centre.

In the first session, titled 'Intellectual and cultural challenges in the era of social media' Dr. Pradeep Dixit, Director of Utkarsh Academy, discussed the cultural and intellectual challenges that we confront under the impact of social media in our lives. He asserted that, in the fast-paced and interconnected world of the digital age, it can be challenging to maintain a healthy balance between our digital lives and overall well-being. With constant access to technology and the demands of work, social media, and information overload, it's crucial to establish our priorities and work accordingly.

इसके बाद के सत्र, 'सिनेमा और साहित्य', में मशहूर अभिनेता श्री अखिलेन्द्र मिश्रा ने यह बात बयां की कि भारत में व्यापक रूप से प्रसारित अनेक कहानियाँ मौजूद हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नैतिक सिद्धांतों को शामिल कर, सिनेमा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए इन भारतीय कहानियों का गहराई से अध्ययन और उनसे जुड़ाव महत्वपूर्ण है। यह चर्चा दर्शकों के लिए साहित्य, फिल्मों और संस्कृति के आपसी संबंध का एक सटीक चित्रण साबित हुई। चर्चा को सभी उपस्थितजनों द्वारा खूब सराहा गया।

अगले सत्र में वर्तमान भारत में महिला सशक्तिकरण पर चर्चा रही। इस चर्चा में प्रख्यात साहित्यकार सुश्री अनामिका, सुश्री लता कादम्बरी और कानपुर की कवयित्री और शिक्षिका सुश्री कमल मुसद्दी शामिल रहीं। सभी ने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक महिला सशक्तिकरण तब हासिल होगा जब जागरूकता ग्रामीण क्षेत्रों की हर महिला तक पहुंचे और शिक्षा का प्रसार हर स्तर पर हो। इस चर्चा को सभी ने सराहा।

इसके पश्चात कथा कथन की प्रस्तुति में, मुंबई से आये श्री जमील गुलरेज़ के निर्देशन में, कलाकारों के समूह द्वारा मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ 'भूत' और 'कफ़न' की जीवंत नाट्य प्रस्तुति प्रस्तुत की गयी। इस प्रदर्शन को दर्शकों से व्यापक प्रशंसा मिली।

इसके अलावा, 'संस्कृति, नवाचार और विकास' पर एक पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में, जाने-माने सिनेमा समीक्षक श्री विनोद अनुपम ने संस्कृत साहित्य में उन्नति और मौलिकता की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संस्कृत में उन्नति की असीम संभावनाएं हैं, हमें उन्हें और अधिक कुशलता से तलाशने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा, उपन्यासकार श्री नवीन चौधरी ने तर्क दिया कि साँस्कृतिक विरासत को स्वीकारे और संरक्षित किए बिना प्रगति की बात करना व्यर्थ होगा। साथ ही, दिल्ली में हिंदी अकादमी के उपसचिव श्री ऋषि कुमार शर्मा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नवाचार को इस तरह से डिजाइन किया जाना चाहिए कि वह संस्कृति के मूल स्वरूप को बनाए रखे। इस कार्यक्रम का संचालन आई आई टी कानपुर के (दिवंगत) प्रो. समीर खांडेकर ने किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

इसके बाद, एक ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका संचालन सुश्री पल्लवी गर्ग द्वारा किया गया, जिसमें उभरते कवियों एवं रचनाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस आयोजन की सभी ने खूब सराहना की।

In the following session, 'Cinema aur Sahitya', renowned actor Mr. Akhilendra Mishra conveyed that India had a plethora of widely disseminated stories. He emphasized the importance of delving into and engaging with Indian narratives to enhance the quality of cinema by integrating moral principles. The discussion served as an illustration of the interconnection between literature, movies, and culture for the audience and was highly appreciated by all the attendees.

The next session witnessed discussions on women's empowerment in present-day India by eminent litterateurs Ms. Anamika, Ms. Lata Kadambari, and Kanpur's poet and educator Ms. Kamal Musaddi. They stressed that true empowerment is achieved when awareness reaches every woman in rural areas and education spreads far and wide. The conversation was favorably applauded and appreciated by everyone.

Following that, under the direction of Shri Jameel Gulrays, a troupe from Katha Kathan in Mumbai presented a vibrant theatrical rendition of Munshi Premchand's classic stories, 'Bhoot' and 'Kafan'. The performance received widespread acclaim from the audience.

Further, a panel discussion on 'culture, innovation, and growth' was organized. In the session, Mr. Vinod Anupam, a distinguished cinema critic, explored the potential for advancement and originality in Sanskrit literature. He claimed that there are limitless prospects for advancement in Sanskrit; we must strive to explore them with more efficiency. Further, novelist Shri Navin Chaudhary argued that it would be futile to talk about progress without acknowledging and preserving cultural heritage. In addition, Mr. Rishi Kumar Sharma, Deputy Secretary of the Hindi Academy in Delhi, emphasized that innovation should be designed in a manner that preserves the fundamental essence of culture. The event was moderated by (late) Prof. Sameer Khandekar from IIT Kanpur, which was highly acclaimed by the audience.

Following that, an open mic session was organized, moderated by Ms. Pallavi Garg, during which seven emerging poets showcased their compositions. The event was appreciated greatly by everyone.

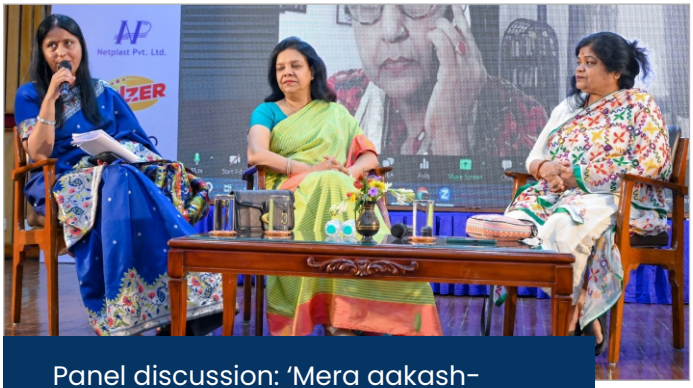

Panel discussion: 'Mera aakash- Sahitya mein stri paripakshya'

Prof. Kantesh Balani being felicitated at the event- Gaatha mahotsav

वार्ता 'अछूते किरदार, अछूते विषय', में श्रीमती मनीषा कुलश्रेष्ठ, जो एक प्रसिद्ध उपन्यासकार हैं तथा जिनकी कुल बारह पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है, की चर्चा समाचार पत्र कहकशां के संस्थापक श्री आनंद कक्कड़ के साथ रही। श्रीमती मनीषा कुलश्रेष्ठा ने अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि कहानियाँ पूर्व-निर्धारित समाधान प्रदान नहीं करतीं, बल्कि जीवन की जटिलताओं को खोलती हैं, जिससे व्यक्ति को अपने जीवन में स्वयं के चयन करने की क्षमता मिलती है।

इसी क्रम में, प्रसार भारती के पूर्व सी ई ओ श्री शशि शेखर वेम्पति ने अपनी पुस्तक "सामूहिक भावना, ठोस कार्य" के बारे में एक प्रस्तुति दी। उनकी यह पुस्तक प्रसिद्ध प्रसारण कार्यक्रम "मन की बात" के विकासक्रम का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है।

इसके पश्चात, विभिन्न साँस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में वाराणसी से आये श्री अमित श्रीवास्तव ने जटायु के दुखद निधन को दर्शाते हुए एक नृत्य-नाटक के अपने प्रस्तुतिकरण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

साँस्कृतिक कार्यक्रम के क्रम में लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी की टीम ने सुश्री कविता सिंह के नेतृत्व में, 'श्रावणी संगीत और कजरी की स्वर लहरियों' के अपने मनमोहक संगीत प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के समापन पर, डॉ. शिव ओम अंबर ने कवि सम्मेलन का शुभारंभ और संचालन किया। कवि सम्मेलन की शुरुआत सुश्री भावना तिवारी ने माँ शारदा की वंदना से की। इसके बाद, मशहूर शायर श्री अज़हर इकबाल, डीडी उर्दू के निदेशक श्री नाज़ इकबाल, प्रसिद्ध हास्य और व्यंग्य कवि डॉ. सर्वेश अस्थाना और लखनऊ से सुश्री भावना तिवारी ने अपनी मनमोहक गजलों और कविताओं का पाठ किया। दर्शकगण इन सभी कवियों के काव्य पाठ से मंत्रमुग्ध हो गए।

During a talk titled 'Achute kirdaar, achute vishay', Ms. Manisha Kulshrestha, a renowned novelist with over twelve acclaimed works, engaged in a discussion with Mr. Anand Kakkad, the founder of the newspaper 'Kahkashan'. Ms. Manisha Kulshrestha provided her perspectives on how stories do not provide pre-determined solutions but instead unravel the intricacies of life, enabling individuals to make their own choices.

In addition, Mr. Shashi Shekhar Vempati, the previous CEO of Prasar Bharati, gave a presentation in which he spoke about his book "Collective Spirit, Concrete Action." The book details the evolution of the renowned broadcasting show "Mann Ki Baat."

Subsequently, cultural programs were organized, encompassing various events.

Mr. Amit Srivastava, hailing from Varanasi, captivated the audience with his rendition of a dance-drama depicting the tragic demise of Jatayu.

In addition, the team from Lakshmi Devi Lalit Kala Academy, under the leadership of Ms. Kavita Singh, received a round of applause from the audience for their captivating musical performance on 'Shravani Sangeet and Kajri melodies'.

Dr. Shiv Om Amber opened and moderated a poetry symposium in the concluding portion of the event. The Kavi Sammelan commenced with Ms. Bhavna Tiwari performing the adoration of Mother 'Sharda'. Furthermore, the audience was enthralled by the captivating performances of esteemed poet Shri Azhar Iqbal, DD Urdu Director Shri Naz Iqbal, renowned humor and satire poet Dr. Sarvesh Asthana, and Ms. Bhavana Tiwari from Lucknow, who delivered mesmerizing recitations of ghazals and poems.

इसके अलावा, इस अवसर पर आई आई टी कानपुर के (स्वर्गीय) प्रोफेसर समीर खांडेकर ने 'बियॉन्ड द बाउंड्रीज' नामक एक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में कानपुर की संस्कृति और परंपरा को दर्शाने वाले चित्रों को प्रदर्शित किया गया था। इसका उद्देश्य हमारे छात्रों को भारतीय संस्कृति और उसकी सामाजिक आधारशिला में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना था। इस कला प्रदर्शनी को सभी उपस्थितजनों ने खूब सराहा।

गाथा के सह-संस्थापक और निदेशक श्री अमित तिवारी, ने कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए दर्शकों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

यह कार्यक्रम शिवानी केंद्र और गाथा के बीच एक सफल सहभागिता का प्रतीक था, जिसका उद्देश्य आई आई टी कानपुर के छात्रों और समुदाय के बीच देश के साहित्य, संस्कृति और रीति-रिवाजों को बढ़ावा देना था।

In addition, during the occasion, (late) Prof. Sameer Khandekar from IIT Kanpur showcased an art gallery titled 'Beyond the Boundaries'. The gallery featured pictures that depicted the culture and tradition of Kanpur. The objective was to inspire our students to actively participate in Indian culture and its sociological foundations. The event was widely acclaimed by all the attendees.

Mr. Amit Tiwari, co-founder and director of Gaatha, made the closing remarks. He conveyed appreciation to all participants and declared the conclusion of the event until the next edition.

The event marked a fruitful collaboration between Shivani Centre and Gaatha, aimed at fostering the literature, culture, and customs of the country among the students and community of IIT Kanpur.

Storytelling troupe: 'Katha-Kathan

Panel discussion: 'Culture, innovation and growth

Open mic at the event- 'Gaatha mahotsav'

Dance drama-Tragic demise of Jatayu

Kavi Sammelan: Kavya Sandhya

Art gallery:'Beyond the boundaries'

बानगी, पैनल चर्चा: 10 अक्टूबर, 2023

Inauguration of event- Bangi

आई आई टी कानपुर में शिवानी-हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र; राजभाषा प्रकोष्ठ; कला, संस्कृति और विरासत प्रकोष्ठ (APPROACH CELL); और गाथा- एस आई आई सी आई आई टी कानपुर इन्क्यूबेटेड कंपनी के संयुक्त प्रयास से 'बानगी ' शीर्षक से एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। प्रख्यात हिंदी साहित्यकार श्री अशोक बाजपेयी और श्री नरेश सक्सेना ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर को गौरवान्वित किया। उन्हें "साहित्य क्यों ?" और "साहित्य, समाज और हम: एक सहजीवी संबंध" जैसे विषयों पर साहित्य के महत्व पर चर्चा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। आई आई टी कानपुर के शिवानी केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर कांतेश बालानी ने स्वागत संबोधन के साथ सत्र का उद्घाटन किया। डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने परिचर्चा में संचालक के रूप में प्रतिभाग किया।

प्रसिद्ध साँस्कृतिक और कला प्रबंधक, हिंदी कवि, निबंधकार और साहित्य-साँस्कृतिक आलोचक श्री अशोक बाजपेयी ने तीव्र गति, लंबे जीवनकाल और छोटे ध्यान अवधि की विशेषता वाले आधुनिक जीवन शैली के हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि ये कारक कम होती यादों और व्यक्तियों के बीच सार्थक बातचीत के अभाव में योगदान करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन परिस्थितियों में, साहित्य हमें सामाजिक एकता, सामूहिक जागरूकता और सहानुभूति के लिए मार्ग प्रदान कर सकता है।

Bangi, Panel discussion: 10 October, 2023

Mr. Naresh Saxena being felicitated at the event 'Bangi'

A panel discussion titled “Bangi” was organized at IIT Kanpur through a joint initiative of Shivani Centre, Hindi Cell, APPROACH Cell, and Gaatha- an audio hosting platform. Prominent Hindi litterateurs, Mr. Ashok Bajpai and Mr. Naresh Saxena, graced the occasion with their presence. They were invited to participate in a discussion on the significance of literature, focusing on subjects such as 'Why literature?' and 'Literature, society, and us: a symbiotic relationship'.

Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre, IIT/K, opened the session with a welcome address. In addition, Dr. Pankaj Chaturvedi served as the moderator for the discussion.

Mr. Ashok Bajpai, a noted cultural and arts administrator and a Hindi-language poet, essayist, and literary-cultural critic, highlighted the impact of modern lifestyles characterized by rapid pace, longer lifespans, and shorter attention spans on our lives. He pointed out that these factors contribute to the diminishing of memories and a lack of meaningful conversations among individuals. He asserted that, under these circumstances, literature can provide us with avenues for social unity, collective awareness, and empathy.

Participants of the event 'Bangi'

उन्होंने आगे कहा कि साहित्य का हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह हमें विभिन्न मानवीय अनुभवों को समझने और उनसे जुड़ने में सक्षम बनाता है। यह हमें विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों के बारे में जानने के साथ-साथ अपने स्वयं के अनुभवों और विचारों को गहराई से समझने में भी सहायक होता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि साहित्य हमारे अस्तित्व को गहराई और पूर्णता के साथ जोड़कर उसे समृद्ध करता है, जिससे व्यक्तिगत विकास और उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

प्रसिद्ध कवि और लेखक श्री नरेश सक्सेना ने साहित्य, समाज और स्वयं के बीच परस्पर निर्भरता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में साहित्य का मूलभूत महत्व है और यह समाज तथा व्यक्ति दोनों विभिन्न साहित्यिक विधाओं को प्रभावित करते हैं। उन्होंने साहित्य, समाज और व्यक्ति के बीच जटिल संबंध का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि समाज विभिन्न धर्मों, भाषाओं और साँस्कृतिक मान्यताओं का एक सम्मिश्रण है और साहित्य को इसे आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर अर्क वर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए समापन भाषण दिया। उन्होंने समकालीन युग में साहित्य के महत्व के बारे में दर्शकों से अपने विचार साझा किये। इस आयोजन को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

He further stated that literature is vital as it enables us to understand and connect with a diverse range of human experiences. It helps us learn about different cultures and perspectives while also facilitating a deeper understanding of our own experiences and thoughts. Moreover, he emphasized that literature enhances our existence by integrating it with depth and completeness, thus facilitating one's personal growth and development.

Mr. Naresh Saxena, a distinguished poet and author, discussed the interdependent connection between literature, society, and ourselves. He claimed that literature has a fundamental importance in our lives and that society and individuals both influence different literary genres. Additionally, he explored the intricate relationship between literature, society, and individuals. He claimed that society is a combination of diverse religions, languages, and cultural beliefs, and literature has an essential role in shaping it.

At the end of the program, Prof. Ark Verma delivered the concluding speech and expressed gratitude. The conversation heightened the audience's awareness regarding the significance of literature in the contemporary age. The distinctive discourse was much appreciated by the present audience.

Competitions, Workshops and Panel Discussions / प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और पैनल चर्चाएँ

हिन्दी साहित्य में रचनाओं का सृजन: 27 सितम्बर, 2023

Prof. Ark Verma felicitating the speaker, Ms. Shipra Singh

आई आई टी कानपुर के 'शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र, ने 27 सितंबर, 2023 को 'हिन्दी साहित्य में रचना का निर्माण' नामक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य उन छात्रों को प्रोत्साहित करना था जो अपनी खुद की कविता, गद्य और हिन्दी साहित्य की अन्य शैलियों को लिखना सीखना चाहते हैं।

इस कार्यशाला की वक्ता थीं सुश्री शिप्रा सिंह, जो कानपुर की एक प्रसिद्ध हिंदी कवयित्री और 'राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था-शब्दाक्षर' की सक्रिय सदस्य हैं, साथ ही वे आई आई टी कानपुर के 'शिक्षा सोपान पुस्तकालय' में भी सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं।

'हिन्दी साहित्य में रचना का निर्माण' कार्यशाला मई 2023 में हिंदी साहित्य पर आयोजित पिछली कार्यशाला की निरंतरता थी। इस सत्र में, सुश्री शिप्रा सिंह ने उन मूलभूत रणनीतियों और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला जिनका कविता और दोहे लिखते समय पालन किया जाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने 'छंद', 'गज़ल' और 'शायरी' की रचना के तरीकों सहित हिंदी साहित्य की विविध शैलियों पर चर्चा की और विभिन्न प्रकार की कविता के बीच के अंतर को स्पष्ट किया।

इसके साथ ही, इच्छुक प्रतिभागियों को सत्र के दौरान अपनी स्वरचित रचनाएँ जैसे कविता, शायरी और दोहा प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह कार्यशाला अत्यंत जानकारीपूर्ण रही और प्रतिभागियों द्वारा इसे खूब सराहा गया।

Creation of Compositions in Hindi Literature: 27 September, 2023

Participants of the workshop

'Shivani Centre for the Nurture & Re-Integration of Hindi and Other Indian Languages' at IIT Kanpur hosted a workshop titled "Creation of Compositions in Hindi Literature" on 27th September, 2023. The aim of this workshop was to encourage students who aspire to learn to write their own poetry, prose, and other genres of Hindi literature.

The speaker for this workshop was Ms. Shipra Singh, a prominent Hindi poet and an active member of 'Rashtriya Sahityik Sanstha-Shabdakshar' in Kanpur, as well as 'Shiksha Sopan Pustakalay' at IIT Kanpur.

The session held was a continuation of Ms. Shipra Singh's prior workshop on Hindi literature in May 2023. In this session, she elucidated the fundamental strategies and principles that should be followed while composing poetry and couplets. Further, she discussed the diverse genres of Hindi literature, including the methods of composing 'chhand', 'gazal', and' shayari', and clarified the differences between the different types of poetry.

In addition, interested participants were invited to present their original Hindi compositions such as kavita, shayari, and doha during the session. The discourse was extremely informative and was well-received and admired by the participants.

Competitions, Workshops and Panel Discussions / प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और पैनल चर्चाएँ

चित्र गैलरी प्रतियोगिता: 28 अगस्त - 10 सितंबर, 2023

आई आई टी कानपुर के शिवानी केंद्र ने "शिवानी का जीवन: एक चित्र प्रदर्शनी का सृजन" शीर्षक से एक चित्र प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता 20वीं सदी की प्रसिद्ध हिंदी लेखिका, पद्मश्री सम्मानित श्रीमती गौरा पंत जी, जिन्हें 'शिवानी' के नाम से जाना जाता है, के जीवन पर आधारित थी।

प्रतियोगिता का आयोजन 28 अगस्त से 10 सितंबर, 2023 तक किया गया। इस प्रतियोगिता में आई आई टी कानपुर के सभी छात्रों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। चित्र प्रदर्शनी बनाने की प्रमुख विशेषताओं में शिवानी जी के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों और विशेषताओं को उजागर करना शामिल था। इनमें उनके प्रारंभिक जीवन, शांतिनिकेतन में व्यतीत बचपन की यादें, साहित्यिक यात्रा, उनके सबसे प्रसिद्ध कार्य, पुरस्कार और मान्यताएँ शामिल थीं।

संस्थान के छात्रों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, और विजेता प्रविष्टियों को उनके संबंधित पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता का लक्ष्य छात्रों को शिवानी जी के जीवन वृत्तांत और साहित्यिक उपलब्धियों से परिचित कराना था, ताकि वे हिंदी साहित्य की गहराई और लालित्य के प्रति समझ और प्रशंसा विकसित कर सकें, और इस प्रकार राष्ट्र की और परिसर की महत्वपूर्ण भाषा, हिंदी पर गर्व की भावना पैदा कर सकें।

Picture Gallery Competition: 28 August – 10 September, 2023

Shivani Centre, IITK, organised a picture gallery competition titled "Creation of Picture Gallery on the Life of Shivani" based on the life of (late) Smt. Guara Pant, known as 'Shivani' ji, a Padmashri and renowned Hindi writer of the 20th century.

The competition was launched from August 28th until September 10th, 2023, and was accessible to all the students of IIT Kanpur. The prominent features of creating the photo gallery included highlighting significant milestones and features of Shivani ji's life, such as her early life, childhood reminiscences from Shantiniketan, literary career, her most renowned works, awards, and recognitions.

The students of the institute participated enthusiastically in the competition. A large number of submissions were received, and the winning entries were granted their respective prizes.

The goal of the competition was to acquaint the students with the life narrative and literary accomplishments of Shivani ji in order to foster an understanding and admiration for the depth and elegance of Hindi literature, hence creating a sense of pride in one of the nation's and the campus's significant languages.

मुंशी प्रेमचंद की स्मृति में कहानी वाचन प्रतियोगिता: 31 जुलाई, 2023

31 जुलाई, 2023 को प्रेमचंद जी की स्मृति में आई आई टी कानपुर के शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र ने कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता प्रख्यात साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 143वीं जयंती के अवसर पर आयोजित की गई थी। प्रेमचंद जी को आधुनिक हिंदी साहित्य के अग्रदूतों में से एक और बीसवीं सदी के आरंभ के अग्रणी हिंदी लेखकों में से एक माना जाता है।

Storytelling competition (in memory of Munshi Premchand): 31st July, 2023

'Shivani Centre for the Nurture & Re-Integration of Hindi and Other Indian Languages' at IIT Kanpur hosted a 'story-telling competition in memory of Munshi Premchand' on July 31st, 2023. The occasion marked the 143rd birth anniversary of eminent litterateur Munshi Premchand, who is recognized as one of the pioneers of modern Hindi literature and one of the foremost Hindi writers of the early twentieth century.

Competitions, Workshops and Panel Discussions / प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और पैनल चर्चाएँ

Participants of 'Story telling competition' event

Prof. Kantesh Balani felicitating Prof. Lalit Saraswat

प्रोफेसर कांतेश बालानी ने स्वागत व्यक्तव्य के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसके बाद आई आई टी कानपुर के प्रोफेसर ललित सारस्वत ने मुंशी प्रेमचंद पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मुंशी प्रेमचंद जी के लेखन ने हिंदी साहित्य और हमारी संस्कृति को आकार दिया है, जिसके लिए हम सदैव उनके आभारी रहेंगे।

प्रोफेसर सुश्रुत रवीश ने कहा कि हम सभी को मुंशी प्रेमचंद जी के जीवन और लेखन को याद रखना चाहिए, उनके साहित्य को पढ़ने के लिए कुछ समय निकालना चाहिए और खुद को हिंदी साहित्य में उनके आदर्शों के प्रति समर्पित करना चाहिए।

इसके पश्चात, कहानी वाचन प्रतियोगिता का सत्र हुआ, जिसमें छात्र प्रतिभागियों ने मुंशी प्रेमचंद की सुप्रसिद्ध कहानियाँ जैसे 'ठाकुर का कुआं', 'कफन', 'अंधेर', 'मंत्र', 'नमक का दारोगा', 'दुर्गा' आदि का वाचन किया। दर्शकों ने उनके प्रदर्शन की भरपूर सराहना की।

साथ ही, आयोजन समिति में शिवानी केंद्र से सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु और श्री गोविंद शर्मा, राजभाषा प्रकोष्ठ से श्री विजय पांडेय और श्री जगदीश प्रसाद, तथा हिंदी साहित्य सभा से श्री प्रदीप, श्री ईशान, श्री हर्षित और श्री प्रतीक इस कार्यक्रम में शामिल थे।

इस सत्र में दर्शकों ने मुंशी प्रेमचंद की कहानियों का भरपूर आनंद लिया, जो की मुंशी प्रेमचंद के साहित्य का आने वाली पीढ़ियों को नए हिन्दी साहित्य रचने के लिए प्रेरित करता रहेगा। साथ ही इस प्रतियोगिता के माध्यम से, आई आई टी परिसर और हमारे देश की गौरवशाली भाषा हिंदी के प्रति कैंपस निवासियों में गर्व की भावना जगाने का मौका मिला।

Prof. Kantesh Balani opened the event with a welcoming note, which was followed by a few remarks by Prof. Lalit Saraswat, IIT Kanpur on Munshi Premchand and his contribution to shaping the course of Hindi literature and our culture, for which we will always be grateful.

Prof. Sushrut Ravish stated that we all should remember the life and works of Munshi Premchand, take some time to read his literature and dedicate ourselves to his ideals in Hindi literature.

Later, a session for the story-telling competition took place, during which the participants read some of the well-known stories by Munshi Premchand, including 'Thakur ka Kuan, Kafan, Andher, Mantra, Namak ka daroga, Durga', etc. The audience expressed their utmost appreciation for the performance.

Additionally, the organizing team included Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu, and Mr. Govind Sharma, from the Shivani Centre, Mr. Vijay Pandey, Mr. Jagdish Prasad from Raj Bhasha Prakoshth, as well as Mr. Pradeep, Mr. Ishaan, Mr. Harshit, and Mr. Prateek from Hindi Sahitya Sabha at IIT Kanpur, who worked hard to ensure the success of this event.

Thus the audience witnessed an evening with the work of Munshi Premchand, who would continue to inspire the coming generations for the new creation of Hindi literature while instilling pride in one of the country's and the campus's prominent languages.

पी जी उन्मुखीकरण : 28 जुलाई, 2023

PG Orientation: 28th July, 2023

Team of Shivani Centre pitching to newly joined students at IIT Kanpur

Prof. Kantesh Balani with students of batch Y23

Query session for students at PG Orientation

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 की शुरुआत में 28 जुलाई, 2023 को आई आई टी कानपुर के मुख्य सभागार में पी जी उन्मुखीकरण का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में, शिवानी केंद्र के सदस्यों ने उन छात्रों से बात की जो नए शैक्षणिक वर्ष के लिए संस्थान में शामिल हुए थे।

सत्र के दौरान शिवानी केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर कांतेश बालानी ने एक प्रस्तुति दी जिसमें उन्होंने केंद्र के उद्देश्यों और गैर-अंग्रेजी पृष्ठभूमि के छात्रों की शैक्षणिक रूप से सहायता करने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। चर्चा किए गए लक्ष्य इस प्रकार थे:

- हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में शैक्षिक सामग्री का निर्माण और अनुवाद करना।
- शैक्षणिक अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से सीखने और समझने के लिए द्विभाषी मोड में शिक्षण सुविधाएँ प्रदान करना।
- हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के समृद्धि को बढ़ाने के लिए कार्यशालाएँ, पुस्तक मेले, संगोष्ठी और अन्य विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करना।
- नए हिंदी फॉण्ट के निर्माण जैसे तकनीकी योगदान प्रदान करना।
- हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में 'वर्चुअल लैब' और शिक्षण सामग्री विकसित करना।

इस सत्र ने आई आई टी कानपुर में नए छात्रों को व्यक्तिगत या भाषाई बाधाओं को दूर करने में सहायता की आवश्यकता होने पर शिवानी केंद्र से संपर्क करने का अवसर प्रदान किया।

आई आई टी कानपुर में छात्रों के लिए यह समर्थन छात्रों और संस्थान दोनों के लिए शैक्षणिक वृद्धि में तेजी लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

The PG Orientation was conducted on July 28, 2023, in the main auditorium of IIT Kanpur at the beginning of the academic year 2023-2024. During the session, the Shivani Centre team pitched to the students who had joined the institute for the new academic year.

Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre, delivered a presentation in which he outlined the Centre's objectives and its role in academically assisting students from non-English backgrounds. The following goals were discussed:

- Creating and translating educational materials into Hindi and other Indian languages.
- Providing teaching facilities in bilingual mode to simplify classroom learning to effectively learn and understand academic concepts.
- Organizing workshops, book fairs, seminars, and events to expand the richness of Hindi and other Indian languages.
- Providing technical contributions, like creating new Hindi fonts.
- Developing virtual labs and teaching materials in Hindi and other regional languages.

The session provided an avenue for the new students at IIT Kanpur to approach Shivani Centre in case they needed assistance in overcoming personal or linguistic barriers. This support for students at IIT Kanpur might lead to rapid academic growth for both the students and the institute.

ई-पत्रिका 'मेरी बात' का शुभारंभ: 23 सितंबर, 2023

आई आई टी कानपुर में स्थापित 'शिवानी: हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र' छात्रों और परिसर समुदाय के बीच हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

इस सम्बन्ध में, शिवानी केंद्र ने 23 सितंबर, 2023 को ई-पत्रिका, 'मेरी बात' की शुरुआत की, जो छात्रों और संस्थान समुदाय के लिए उनके लेखन कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक माध्यम प्रदान करती है। यह ऑनलाइन पत्रिका उन्हें उनकी मूल रचनाओं को हिंदी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करती है, जिन्हें विभिन्न विधाओं, जैसे कविता, ग़ज़ल, कहानियों, संस्मरणों, गद्य और साहित्य के अन्य रूपों में व्यक्त किया जा सकता है।

इस प्रकार, इस ऑनलाइन पत्रिका के माध्यम से, छात्रों को शिवानी केंद्र की आधिकारिक वेबसाइट पर ई-पत्रिका 'मेरी बात' में प्रकाशन के लिए अपनी अनूठी रचनाएँ बनाने और प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पत्रिका को हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं जैसे बंगाली, मराठी आदि में कई प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं, और उन्हें जल्द ही शिवानी केंद्र की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।

इसके परिणामस्वरूप, ई-पत्रिका 'मेरी बात' आई आई टी कानपुर के छात्रों और संस्थान समुदाय के बीच साहित्यिक रचनात्मकता को विकसित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

Launch of e-magazine 'Meri Baat': September 23, 2023

'Shivani Centre for Nurture and Reintegration of Hindi and Other Indian Languages' is dedicated to promoting language creativity in Hindi and other Indian languages among the students and campus community of IIT Kanpur.

In this regard, Shivani Centre has launched an e-magazine, 'Meri Baat' on September 23, 2023, which serves as a medium for students and the campus community to showcase their writing skills. The online magazine offers them a platform to share their original compositions in Hindi or other regional languages, which can be expressed in a variety of genres, such as poetry, ghazals, stories, memoirs, prose, and other forms of literature. Thus, through this online magazine, students are encouraged to create and submit their unique compositions for publication in the e-magazine "Meri Baat" on the official website of Shivani Centre.

The magazine has received several entries in Hindi and other regional languages, such as Bengali, Marathi, and others, and will soon publish them on the Shivani Centre's website.

As a result, the e-magazine 'Meri Baat' offers a golden opportunity to cultivate literary creativity among students and the campus community of IIT Kanpur.

एन एस एस (राष्ट्रीय समाज सेवा) स्वयंसेवकों द्वारा शैक्षणिक सामग्री तैयार करना: अक्टूबर 04, 2023

शिवानी केंद्र का लक्ष्य आई आई टी कानपुर के उन छात्रों की सहायता करना है जो गैर-अंग्रेजी बोलने वाली पृष्ठभूमि से आते हैं और कक्षाओं में दिए जा रहे शैक्षणिक सामग्री को समझने में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

इसी संदर्भ में, 4 अक्टूबर 2023 को शिवानी केंद्र में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें एन एस एस समन्वयक प्रोफेसर नीरज मोहन चवाके, शिवानी केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर कांतेश बालानी, एन एस एस के छात्र स्वयंसेवक और शिवानी केंद्र के स्टाफ सदस्य शामिल थे।

Academic content by NSS (National Social Service) volunteers: October 04, 2023

Shivani Centre aims to assist IIT Kanpur students who hail from non-English-speaking backgrounds and are facing challenges in comprehending the academic content that is being delivered in the classrooms at IIT Kanpur.

In this regard, on October 4, 2023, a meeting was held at Shivani Centre, which included Prof. Neeraj Mohan Chawake, NSS Coordinator; Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre; NSS student volunteers; and staff members of Shivani Centre.

NSS volunteers at Shivani Centre

Prof. Kantesh Balani addressing the NSS volunteers

बैठक का मुख्य उद्देश्य 2024-2025 के जनवरी सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के लिए वीडियो, सार लिखे नोट्स और अनुवादित पाठ्यक्रम सामग्री को हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराना था।

इस प्रयास में, रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित और अन्य इंजीनियरिंग विभागों जैसे विभिन्न शैक्षणिक धाराओं के कुल 26 एन एस एस छात्रों ने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों के लिए ऑडियो, वीडियो और अनुवादित सामग्री बनाने में सहायता करने की सहमति दी है।

इसके अलावा, गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों के छात्रों को अपनी मूल भाषाओं में अनुवादित शैक्षणिक सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस पहल में, छात्रों को उनकी शैक्षणिक रुचियों के आधार पर विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया। कुछ छात्रों को उनके संबंधित समूहों में नेतृत्व जिम्मेदारी सौंपी गई। रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम (CHM 112) से कुल 8 छात्र, गणित पाठ्यक्रम (MTH 111) से 8 छात्र और भौतिकी पाठ्यक्रम (PHY 112) से 10 छात्र, अपने संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक सामग्री बनाने और प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से आगे आए हैं। नेतृत्वकर्ता छात्रों को अपनी-अपनी टीमों की प्रगति पर ध्यान रखने का काम सौंपा गया है।

शिवानी केंद्र के इस प्रयास से जुड़े हुए छात्रों को अनुवादित पाठ्यक्रम सामग्री का निर्माण करने के लिए माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, लैपटॉप, और ऑडियो या वीडियो निर्माण के लिए कमरों को उपलब्ध कराने की सहायता प्रदान की जाएगी।

इस प्रकार, यह एक सहयोगी प्रयास होगा जिसमें छात्र, संकाय सदस्य और शिवानी केंद्र के सदस्य शामिल होंगे। यह पहल उन दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए बहुत उपयोगी होने की उम्मीद रखता है, जो भाषा संबंधी बाधाओं का सामना कर रहे हैं। इससे उन्हें कक्षा में सीखने और समग्र शैक्षणिक विकास में सुविधा होगी।

The main objective of the meeting was to provide videos, annotated notes and translated course material in Hindi and other regional languages for the courses being taught in the January semester of 2023-2024.

In this endeavour, a total of 26 NSS students from various academic streams such as Chemistry, Physics, Mathematics, and other engineering departments have consented to assist in creating audio, video, and translated content for the courses in Hindi and other regional languages. Furthermore, students from non-Hindi-speaking regions were encouraged to create academic material translated into their native languages.

In this effort, the students were categorized into various groups based on their academic interests. A few individuals were assigned leadership positions in their respective groups. A total of 8 students from the Chemistry course (CHM 112), 8 students from the Mathematics course (MTH 111), and 10 students from the Physics course (PHY 112) have volunteered to take on the duties of leadership in creating and providing academic content for their respective courses. These students have been tasked with keeping track of the progress of their respective teams.

In addition, Shivani Centre will provide the necessary support in producing the translated course material, such as microphones, recorders, laptops, and dedicated rooms for audio or video creation, to the participating students.

Thus, this endeavor will be a collaborative effort of students, faculty members, and members of Shivani Centre. This initiative is expected to be very useful for assisting students from remote areas who are experiencing language barriers, thereby facilitating their in-class learning and overall academic growth.

शिवानी स्मृति कक्ष का उद्घाटन: 17 अक्टूबर, 2023

Mr. Muktesh Pant with his family members

शिवानी केंद्र के संस्थापक श्री मुक्तेश पंत ने 17 अक्टूबर, 2023 को आई आई टी कानपुर की अपनी यात्रा के दौरान शिवानी केंद्र का दौरा किया। शिवानी केंद्र उनकी माता, एक प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार (स्वर्गीय) श्रीमती गौरा पंत जी की स्मृति में स्थापित है, जिन्हें उनके उपनाम 'शिवानी' से जाना जाता है।

श्री मुक्तेश पंत अपनी बहन श्रीमती इरा पांडे, चचेरे भाई श्री पुष्पेश पंत, पत्नी श्रीमती विनीता पंत, और अन्य परिवार के सदस्यों के साथ शिवानी केंद्र में पधारे। शिवानी केंद्र की टीम ने उनका स्वागत किया, जिसमें शिवानी केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर कांतेश बालानी, शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक प्रोफेसर अर्क वर्मा और अन्य सहयोगी सदस्य शामिल थे।

शिवानी जी की जन्मशती के अवसर पर, उनके बेटे श्री मुक्तेश पंत, पुत्रवधु श्रीमती विनीता पंत, भतीजे डॉ. पुष्पेश पंत, बेटी श्रीमती इरा पांडेय और अन्य परिवार के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और 'शिवानी स्मृति कक्ष' का उद्घाटन दीप प्रज्वलन से किया।

शिवानी स्मृति कक्ष को स्वर्गीय श्रीमती गौरा पंत, 'शिवानी' जी , को समर्पित किया गया है और यह उनके जीवन और साहित्यिक यात्रा की यादों को संरक्षित करता है। कक्ष में एक चित्र प्रदर्शनी है जो उनके जीवन के महत्वपूर्ण चरणों को दर्शाती है, जिसमें उनके प्रारंभिक जीवन, परिवार, साहित्यिक यात्रा, निधन और विरासत के साथ-साथ उनके प्रसिद्ध प्रकाशित हिंदी उपन्यास भी शामिल हैं। इसके अलावा, उनके महत्वपूर्ण उपलब्धियों और प्रशंसाओं, जैसे कि प्रतिष्ठित पद्मश्री, को कक्ष में प्रदर्शित किया गया है।

Inauguration of Shivani Memorial Hall: 17 October 2023

Lighting of ceremonial lamp by Smt. Ira Pande

Mr. Muktesh Pant, the founder of 'Shivani Centre', IIT/K, paid a visit to Shivani Centre on October 17, 2023, during his visit to IIT Kanpur. Shivani Centre is established in remembrance of his mother, a renowned Hindi litterateur (late) Smt. Gaura Pant, best known by her pen name 'Shivani'.

Mr. Muktesh Pant visited the Centre, along with his sister, Ms. Ira Pande; cousin, Mr. Pushpesh Pant; wife, Ms. Vineeta Pant; and other family members. They were welcomed by the team of Shivani Centre, which included Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre; Prof. Ark Verma, Co-Coordinator of Shivani Centre; and other staff members.

On the occasion, Mr. Muktesh Pant, Ms. Vinita Pant, Mr. Pushpesh Pant, Ms. Ira Pandey, and other family members paid tribute to Shivani ji to commemorate her centenary birth anniversary and lit the ceremonial lamp to inaugurate the 'Shivani Memorial Hall'.

The memorial hall has been dedicated to (late) Smt. Gaura Pant, 'Shivani' ji, which preserves the memories of her life and literary journey. The hall showcases a photo gallery that portrays the significant phases of her life, including her early life, family, literary career, demise, and legacy, along with her renowned published Hindi novels. In addition, her significant accomplishments and accolades, such as the prestigious Padmashri, have been displayed in the hall.

Mr. Muktesh Pant inaugurating Shivani Memorial Hall

Photo gallery at Shivani Memorial Hall

Mr. Muktesh Pant and his family with the team of Shivani Centre

शिवानी स्मृति कक्ष में शिवानी जी द्वारा लिखी गई कुछ मूल पांडुलिपियों और पत्रों का प्रदर्शन किया गया है। इसके अलावा, कक्ष का एक हिस्सा विशेष रूप से शिवानी जी के साहित्यिक और प्रकाशित कार्यों के प्रशंसकों के लिए आवंटित किया गया है। यह शिवानी जी के प्रशंसकों की टिप्पणियों और छवियों को प्रदर्शित करता है, जो उनके लेखन से उनके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त, प्रोफेसर कांतेश बालानी ने संक्षेप में शिवानी केंद्र की भूमिका को उजागर किया, जो आई आई टी कानपुर में अध्ययनरत छात्रों के शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ हिंदी साहित्य और देश भर में बोली जाने वाली अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को भी बढ़ावा देता है। इसके अलावा, सुश्री इरा पांडे और श्री पुष्पेश पंत ने शिवानी जी के लेखन और साहित्यिक जीवन पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर 20वीं सदी की प्रसिद्ध हिंदी लेखिका (स्वर्गीय) श्रीमती गौरा पंत 'शिवानी' जी की 100वीं जयंती पर उनके परिवार के सदस्यों और शिवानी केंद्र की 'टीम' द्वारा हार्दिक श्रद्धांजलि और सम्मान के रूप में "शिवानी स्मृति कक्ष" शिवानी जी को समर्पित किया गया।

In addition, the memorial hall showcases some of the original scripts and letters written by Shivani ji. Also, a part of the hall has been specifically allocated for the admirers of Shivani's literary and published works. The platform displays the remarks and images from Shivani ji's followers, illustrating the impact of her writings on their lives.

Further, Prof. Kantesh Balani briefly highlighted the role of Shivani Centre in promoting the academic growth of students studying at IIT Kanpur as well as fostering Hindi literature and other regional languages spoken across the country. In addition, Ms. Ira Pandey and Mr. Pushpesh Pant expressed their views and shed light on Shivani ji's writings and literary life.

The occasion was marked as a heartfelt tribute and honour to one of the most famous Hindi writers of the 20th century, 'Shivani' ji, by her family members and the team of Shivani Centre on her 100th birth anniversary.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/Upcoming Events and Activities

अखिल भारतीय कविता लेखन प्रतियोगिता: जनवरी 2024

शिवानी केंद्र एवं हिंदी साहित्य सभा, संयुक्त रूप से 20 दिसंबर 2023 से 1 जनवरी 2024 तक कविता लेखन पर आधारित एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता, जिसका शीर्षक है 'अखिल भारतीय कविता लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य देश भर के उन युवाओं को प्रोत्साहित करना है जो अपनी स्वरचित कविताओं का प्रदर्शन करना चाहते हैं।

'हिन्दी फ़ॉन्ट निर्माण' विषय पर प्रतियोगिता: जनवरी-फरवरी 2024

शिवानी केंद्र द्वारा आई आई टी कानपुर के छात्रों के लिए हिंदी फॉण्ट निर्माण पर आधारित एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य संस्थान के रचनात्मक विचारों को अपने अनूठे तरीके से हिंदी फ़ॉन्ट डिजाइन करने में अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करना है।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस: मार्च 2024

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में, जो भाषाई, सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 21 फरवरी को दुनिया भर में मनाया जाता है, शिवानी केंद्र और राजभाषा प्रकोष्ठ संयुक्त रूप से एक विशेष कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति- बहुभाषी प्रतिभाओं का समागम' का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे परिसर समुदाय के भीतर समृद्ध भाषाई विविधता का उत्सव मनाना है। इस सत्र का आयोजन, 2 मार्च, 2024 को आई आई टी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में कलाकार एक निर्धारित समय के भीतर अपनी मातृभाषा में लेख, कविता, गीत, कहानी, यात्रा संस्मरण साहित्यिक कृतियों को प्रस्तुत करेंगे।

All India poem writing competition: January 2024

Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, is jointly organizing an all-India competition for poetry writing, titled 'Akhil bhartiya kavita lekhan pratiyogita' from December 20th to January 1st, 2024.

The goal of this competition is to encourage individuals across the nation who wish to showcase their self-written poems and thereby increase awareness of Hindi literature and culture across the nation.

Competition on 'Creation of Hindi fonts': January - February 2024

A competition based on the creation of fonts in Hindi will be launched by Shivani Centre from 7th January 2024 until 4th February 2024 for the students at IIT Kanpur. The competition aims to offer an opportunity for the creative minds at the institute to showcase their skills in designing Hindi fonts in their unique way.

International Mother Language Day: March 2024

On the occasion of International Mother Language Day, which is celebrated worldwide on the 21st of February, to promote awareness of linguistic, cultural diversity, and multilingualism, Shivani Centre and Rajbhasha Prakostha are jointly organizing a special event'अभिव्यक्ति- बहुभाषी प्रतिभाओं का समागम'/ 'Expression- a platform of multilingual talents' that aims to celebrate the rich linguistic diversity within our campus community. The event will be held in the Outreach Auditorium of IIT Kanpur on March 2, 2024.

In the event, the performers will be presenting literary work in the form of articles, poems, songs, stories, travelogues, memoirs, etc. in their mother tongue that they wish to express or perform within a stipulated time on this occasion.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/Upcoming Events and Activities

साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता: अप्रैल 2024

शिवानी केंद्र द्वारा एक साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जो हमारे देश के विशाल साहित्यिक और पौराणिक ज्ञान पर आधारित होगी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य आई आई टी कानपुर के छात्रों के बीच राष्ट्रव्यापी स्तर पर साहित्य और संस्कृति के प्रति समसामयिक जागरूकता को बढ़ाना है।

संस्थान के बुद्धिजनों को आमंत्रित करना: मई / जून 2024

संस्थान से जुड़े विद्वानों को उनकी भाषाई, अनुवादात्मक, कलात्मक और तकनीकी प्रतिभा का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। जिसका उपयोग कार्यशालाओं और प्रशिक्षण के माध्यम से आई आई टी कानपुर के छात्रों को प्रभावी ढंग से संलग्न करने के लिए किया जायेगा।

एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा शैक्षणिक सामग्री तैयार करना

एन एस एस के स्वयंसेवकों ने आई आई टी कानपुर के सत्र 2024-2025 के लिए जनवरी 2024 में पेश किए जा रहे पाठ्यक्रमों के लिए हिंदी (या किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा) में वीडियो और व्याख्यात्मक पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान करने की सहमति व्यक्त की है। शिवानी केंद्र का प्रयास है कि शिवानी केंद्र की वेबसाइट पर ऐसे पाठ्यक्रमों का एक पुस्तकालय तैयार हो जो जरूरतमंद छात्रों को आसानी से सुलभ हो सके।

Literary Quiz competition: April 2024

A literary quiz competition will be hosted by Shivani Centre, based on the vast literary and mythological knowledge of our nation. The competition aims to raise contemporary awareness of literature and culture across the nation among students at IIT Kanpur.

Inviting scholars-in-residence: May/June 2024

Scholars-in-residence will be invited to extend their linguistic, translational, artistic, and technical talents that can be used to effectively engage IIT Kanpur students through workshops and training.

Academic Content by NSS volunteers

NSS volunteers from IIT Kanpur have consented to provide videos and annotated course material in Hindi (or any other regional language) for the courses that are being offered in the semester of 2024-2025 in January 2024. We intend to maintain a library of such courses on the Shivani Centre's website and make them accessible to students in need.

हिंदी व्याकरण सम्बंधित विडिओ/ Content prepared on learning of Hindi Grammar

शिवानी केंद्र से सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल और श्री गोविंद शर्मा द्वारा हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में बुनियादी व्याकरण की अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए कुछ वीडियो तैयार किए गए हैं।
निम्नलिखित वीडियो क्लिप शिवानी सेंटर वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं।

समास / Samaas (English Grammar):
https://youtu.be/e6HUnSBfhvs?si=gvnawhxoPzkR0LHC

A few videos have been prepared by Ms. Maitreyi Agarwal and Mr. Govind Sharma in which concepts of basic grammar have been explained in both Hindi and English languages. The following video clips have been uploaded on the Shivani Centre website

हिन्दी व्याकरण में अशुद्धियाँ/ Inaccuracies in Hindi Grammar
https://youtu.be/Hl_bZYHHxTc?feature=shared

प्रोफेसर समीर खांडेकर
(10 नवंबर 1971- 22 दिसंबर 2023)

Prof. Sameer Khandekar
(10 November 1971- 22 December 2023)

प्रोफेसर समीर खांडेकर एक कुशल शिक्षक, प्रभावी शोधकर्ता, विज्ञान संचारक, गतिशील नेतृत्वकर्ता, संस्कृति प्रचारक के रूप में सदैव स्मरण किये जायेंगे। आई आई टी कानपुर संस्थान में अप्रोच सेल एवं शिवानी केंद्र द्वारा संस्थान के छात्रों एवं समुदाय समूह में भारतीय संस्कृति, संगीत, साहित्य एवं कला का सम्पोषण एवं प्रोत्साहन के लिए निरंतर प्रयासरत रहना सभी के लिए सदैव प्रेरणादायक रहेगा। प्रोफेसर खांडेकर हम सबको छोड़कर शून्य से अनंत की यात्रा में निकल चुके हैं, बस स्मृतियाँ ही शेष हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान करे। वे अपनी पत्नी प्रदन्या खांडेकर एवं बेटे प्रवाह खांडेकर के माध्यम से हमारे बीच मौजूद हैं।

Professor Sameer Khandekar shall always be remembered as a proficient teacher, accomplished researcher, adept science communicator, dynamic leader, and advocate for culture. His precious contributions to the ongoing initiatives at IIT Kanpur, particularly through APPROACH CELL and Shivani Centre, to foster and promote Indian culture, literature, music, and art among students and the institute community shall always remain inspiring to us. Professor Khandekar has departed on a journey from zero to infinity, leaving behind only memories. May his soul rest in peace. He is survived by his wife Pradnya Khandekar and son Pravah Khandekar.

स्टाफ़ सदस्य और संपर्क - Staff Members & Contacts

सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल
(परियोजना प्रबंधक)

Ms. Maitreyi Agarwal
(Project Manager)

श्री. विजय कुमार पांडेय
(राजभाषा अधिकारी)

Mr. Vijay Kumar Pandey
(Hindi Officer)

श्री जगदीश प्रसाद
(तकनीकी अधीक्षक)

Mr. Jagdish Prasad
(Technical Superintendent)

सुश्री अल्पना दीक्षित
(उप परियोजना प्रबंधक)

Ms. Alpana Dixit
(Deputy Project Manager)

श्री सुधांशु गौतम
(परियोजना सहयोगी)

Mr. Sudhanshu Gautam
(Project Associate)

श्री गोविन्द शर्मा
(सहायक परियोजना प्रबंधक)

Mr. Govind Sharma
(Assistant Project Manager)

श्री राम पूजन
(सहायक)

Mr. Ram Pujan
(Helper)

संपर्क

पता: पी ई बी स्कूल, शीर्ष मंजिल
ब्लॉक-एफ (भूतपूर्व पी ई बी मीडिया लैब, ब्लॉक-बी)
आई आई टी कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत - 208016

दूरभाष: 91-512-159-7074 (कार्यालय)

Contact

Address: Top-floor of PEB School
Block-F (earlier PEB Media Lab, Block-B)
IIT Kanpur, Uttar Pradesh, India - 208016

Tel. number: 91-512-159-7074 (office)

सम्पादन सहयोग: प्रो. कांतेश बालानी, प्रो. अर्क वर्मा, श्री गोविन्द शर्मा, सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल अभिकल्प: श्री गोविन्द
Edited by: Prof. Kantesh Balani, Prof. Ark Verma, Mr. Govind Sharma, Ms. Maitreyi Agarwal Designed by: Mr. Govind

Jagriti means awakening and awareness.
जागृति का अर्थ जागरूकता और सतर्कता है।

जागृति

शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र

अर्धवार्षिक सूचनापत्र खंड 2, अंक 2 (जुलाई – दिसंबर 2023)

JAGRITI

SHIVANI CENTRE FOR NURTURE AND REINTEGRATION OF HINDI AND OTHER INDIAN LANGUAGES

Half yearly Newsletter Volume 2, Issue 2 (July-December 2023)